नगर संस्करण

प्रयागराज, रविवार 22 फरवरी 2026 से शनिवार 28 फरवरी 2026 तक

वर्ष-14 अंक-08
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस का प्रोटेस्ट 'नेपाल मॉडल' वाली साजिश, कोर्ट में दिल्ली पुलिस का बड़ा दावा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एआई शिखर सम्मेलन में बिना शर्ट पहने प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रिमांड मांगते हुए शनिवार को कहा कि आरोपियों ने नेपाल में हुए प्रदर्शन के समान विरोध प्रदर्शन किया था। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को अदालत में पांच दिन की रिमांड मांगते हुए कहा कि यह देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश थी। भारत मंडपम में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस के चार नेताओं को शनिवार सुबह पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। अनुसार, आरोपियों के वकील ने बताया कि वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं और उन्होंने भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन किया, जो उनके विरोध करने के अधिकार का प्रयोग था। आरोपों के वकील ने कहा कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण था; किसी भी वीडियो में हिंसा नहीं दिखाई दी।

तेज रफ्तार वेरना कार ने ज़ेप्टो डिलीवरी बॉय को रौंदा, मौके पर दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक कार ने 25 वर्षीय डिलीवरी राइडर की इलेक्ट्रिक स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, तिलक नगर पुलिस स्टेशन में सुबह लगभग 3:26 बजे दुर्घटना और एक घायल व्यक्ति की सूचना देने वाली पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। पुलिस टीमें सुभाष नगर मेट्रो के लाल बत्ती के पास नजफगढ़ रोड पर राजौरी गार्डन की ओर घटनास्थल पर पहुंचीं, जहां दुर्घटना में शामिल दोनों वाहन पाए गए। पीड़ित की पहचान हेम शंकर के रूप में हुई है। उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे जेप्टो में डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करते थे और घटना के समय इलेक्ट्रिक स्कूटी चला रहे थे।

200 सीटें कौन जीतेगा? बीजेपी बोली-डीएमके के झूठे वादों का जनता देगी जवाब

नई दिल्ली। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने जोर देकर कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों का परिणाम, जिसमें यह भी शामिल है कि कौन सी पार्टी 200 सीटें जीतेगी, मतदाता ही तय करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए नागेंद्रन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दूसरी चुनावी सभा शहर में आयोजित होने वाली है। गठबंधन पर अपना विश्वास दोहराते हुए नागेंद्रन ने कहा कि जनता तय करेगी कि 200 सीटें कौन जीतेगा। नागेंद्रन ने सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सरकार पर अपने अधिकांश चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके द्वारा किए गए 90 प्रतिशत वादे पूरे नहीं किए गए हैं। जनता को झूठे आश्वासन दिए गए।

एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में भारत का डंका पीएम मोदी के विजन पर 88 देशों ने लगाई मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के घोषणापत्र पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्ण विश्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को स्वीकार किया है और एआई संसाधनों के लोकतंत्रीकरण पर सहमति व्यक्त की है ताकि एआई के लाभ और तकनीक विश्व भर में समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें। वैष्णव ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एआई इम्पैक्ट समिट की घोषणा पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों

ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसे अब जारी किया जा रहा है। इनमें से 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। संपूर्ण विश्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को स्वीकार किया है। सभी ने एआई संसाधनों के लोकतंत्रीकरण पर सहमति व्यक्त की है ताकि एआई के लाभ और प्रौद्योगिकी विश्व भर में समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें। सभी ने इसे स्वीकार किया है। भारत एआई इम्पैक्ट समिट, ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, जो एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालता है और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' (सभी का कल्याण, सभी का सुख) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है। यह शिखर सम्मेलन एआई के शासन, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित हो रही अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रिया का एक हिस्सा है। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह 16 फरवरी को शुरू हुआ और 20 फरवरी, 2026 को समाप्त हुआ। इस शिखर सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में दुनिया भर के सरकारी नीति निर्माता, उद्योग के एआई विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तक और नागरिक समाज के प्रतिनिधि एक साथ आए।

श्रीनगर में बड़ा सड़क हादसा, नहर में गिरा सीआरपीएफ का बंकर वाहन

श्रीनगर। श्रीनगर में शनिवार को एक भीषण हादसा हुआ, जब सीआरपीएफ का एक बंकर वाहन सड़क से फिसलकर सौरा के दागपोरा इलाके में एक नहर में गिर गया। इस घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम नौ जवान घायल हो गए। अहमद नगर के दगपोरा रोड पर उमर हेयर के पास यह हादसा हुआ, जब चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वाहन नहर में गिर गया। शुरुआत में, सीआरपीएफ की 21वीं बटालियन के सात घायल जवानों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, दो और घायल जवानों को इलाज के लिए शेर-ए-कश्मीर आयुर्वेद संस्थान (एसकेआईएमएस), सौरा ले जाया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी घायल जवान स्थिर हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्हें कई चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल जवानों की पहचान नागिंदर सिंह (36), अजीत कुमार राम (36), राज किशोर राय (40), अमित कुमार यादव (38), राजधन राम (55), मानकर कुमार (40) और नीरज कुमार (45) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सा दल उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। घुसपैठ की कोशिश के बाद राजौरी में तलाशी अभियान इस बीच, राजौरी जिले में घुसपैठ की कोशिश नाकाम होने के एक दिन बाद, सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, यह बरामदगी नियंत्रण रेखा के पास सुंदरबनी सेक्टर के नथुआ टिब्बा इलाके में की गई। गहन तलाशी के दौरान, सैनिकों को इलाके में खून के धब्बे मिले, जिससे संकेत मिलता है कि घुसपैठ करने वाले आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गए होंगे। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल, दो मैगज़ीन, तीन रकसैक, कंबल, राशन और कपड़े बरामद किए। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। जम्मू और कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं।

'पीएम मोदी का आत्मसमर्पण' बनाम 'ट्रंप का टैरिफ' भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस का करारा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका के बीच हाल ही में हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि यह समझौता देश के हितों के साथ समझौता है और प्रधानमंत्री की 'छवि बचाने' की जल्दबाजी के कारण भारत को एक कठिन परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए यह सवाल भी किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें? रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कल अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी शुल्क नीति को खारिज किए जाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके बहुत अच्छे मित्र हैं, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता घोषणा के अनुसार जारी रहेगा और उन्होंने 10 मई 2025 को भारतीय

निर्यात पर शुल्क बढ़ाने की धमकी देकर व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया था।''

उन्होंने कहा, ''दो फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने सबसे पहले घोषणा की थी कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप ले चुकी है। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति मित्रता और सम्मान के चलते तथा उनके अनुरोध पर, तत्काल प्रभाव से हमने अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई।'' रमेश ने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें? कांग्रेस नेता ने कहा, ''उस दोपहर लोकसभा में ऐसा क्या हुआ था, जिसने प्रधानमंत्री मोदी को इतना व्याकुल कर दिया कि उन्होंने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अपने 'अच्छे मित्र' से संपर्क कर ध्यान भटकाने वाली स्थिति पैदा की?'' उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री मोदी अपनी नाजुक छवि बचाने को लेकर इतने व्यग्र न होते और केवल 18 दिन और प्रतीक्षा कर लेते, तो भारतीय किसान इस पीड़ा और संकट से बच सकते थे और भारत की संप्रभुता भी सुरक्षित रहती। उन्होंने दावा किया, ''भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दरअसल एक ऐसी कठिन परीक्षा बन गई है, जिसका सामना देश को प्रधानमंत्री की व्यग्रता और आत्मसमर्पण के कारण करना पड़ रहा है।''

'अर्बन नक्सल' के प्रभाव में है कांग्रेस:एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में हुए विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। गुजरात के उद्योगपतियों और उद्यमियों को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि कांग्रेस अब न केवल 'अर्बन नक्सल' विचारधारा से प्रभावित है, बल्कि उसका एक अटूट हिस्सा बन चुकी है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के प्रदर्शनी हॉल में विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारे छपी टी-शर्ट पकनकर और पकड़कर प्रदर्शन किया। गुजरात के उद्योगपतियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट और उद्यमियों को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि इस घटना से हम सभी दुखी हैं।

भाषा विवाद पर अमित शाह का बड़ा संदेश बोले-हिंदी और स्थानीय भाषाएं सगी बहनें हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के बीच कभी कोई टकराव नहीं हो सकता, और उन्हें एक ही मां की दो बहनें बताया। अगरतला में पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने से अंततः सभी भाषाएं मजबूत होती हैं और भारत के विविध भाषाई परिदृश्य में एकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के उपयोग और सीखने को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

अमित शाह ने कहा कि हिंदी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी कोई टकराव नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बहनें हैं... हिंदी सभी भाषाओं की मित्र है। जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो सभी भाषाएं मजबूत होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा देश अपनी भाषा को सीखने और अपनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। शाह ने आज हपानिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय मेला परिसर के इंडोर हॉल में पूर्वी, उत्तर-

पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया। इससे पहले दिन में, शाह ने असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जो कांग्रेस पार्टी पचास वर्षों में हासिल नहीं कर सकी, भाजपा ने उसे मात्र दस वर्षों में पूरा कर दिया। सिलचर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने सरकार की अवसंरचना संबंधी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बताया कि पिछले पांच वर्षों में असम में प्रतिदिन 14 किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है, सैकड़ों पुलों का निर्माण पूरा हुआ है और चार बड़े नए पुलों का उद्घाटन किया गया है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। जो कांग्रेस पचास वर्षों में नहीं कर सकी, वह हमने दस वर्षों में कर दिखाया। पिछले पांच वर्षों में असम में प्रतिदिन 14 किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है... लगभग सैकड़ों-हजारों पुलों का निर्माण हुआ है और चार बड़े नए पुलों का उद्घाटन किया गया है। 4अगरतला में आयोजित राजभाषा सम्मेलन में पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के अधिकारी एक साथ आए और उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देते हुए राजभाषा नीति को लागू करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया, साथ ही भारत की अनूठी भाषाई विविधता को भी उजागर किया।

राहुल गांधी का पीछा नहीं छोड़ रहा 10 साल पुराना केस, आरएसएस मानहानि मामले में भिवंडी कोर्ट में हुए पेश

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को 2014 के आरएसएस मानहानि मामले के सिलसिले में भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में पेश हुए। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन के बाद, जिन्होंने पहले उनके जमानती के रूप में काम किया था, गांधी ने अपनी जमानत के लिए नए

जमानती पेश किए। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने बताया कि यह भिवंडी के एक आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि का मामला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मूल जमानती, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का निधन हो गया है, जिसके कारण नए जमानती की आवश्यकता पड़ी। अय्यर ने बताया कि राहुल गांधी और महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल कार्यवाही के दौरान उपस्थित थे। अय्यर ने कहा कि उन्हें न्यायिक प्रणाली पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वास है कि सत्य की जीत होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राहुल गांधी इस मामले को आगे बढ़ाने और जनता के सामने सत्य प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वकील ने बताया कि उचित समय पर साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे और न्यायालय ने सुनवाई मार्च में निर्धारित की है। नारायण अय्यर ने पत्रकारों से कहा कि यह मानहानि का मामला है। भिवंडी के एक आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इस मामले में जमानतदार, पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल का निधन हो गया, जिसके कारण हमें नए जमानतदार की आवश्यकता पड़ी। इसके लिए आज राहुल जी के साथ हमारे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल जी भी उपस्थित थे... हमें विश्वास है कि इस मामले की सच्चाई सामने आएगी और हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

बिहार की सियासत में 'महाभारत'! मैथिली के 'धृतराष्ट्र' वाले बयान पर तेजस्वी यादव का तीखा पलटवार

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों शब्दों के बाणों से 'महाभारत' छिड़ी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गायिका से राजनेता बनीं मैथली ठाकुर की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई है। हालांकि तेजस्वी ने अपने आधिकारिक बयान में सीधे तौर पर नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी फोटो साझा करते हुए जो हमला बोला, उससे साफ है कि निशाना किधर था। हालांकि उन्होंने प्रसाद, यादव या उनकी पार्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन ''2005 से पहले का बिहार'' का जिक्र कर अपने इशारों से स्पष्ट कर दिया कि वह पूर्ववर्ती राजद के शासन की आलोचना कर रही हैं। यादव ने अपने पोस्ट में लिखा, ''कुछ लोग विधायक बनते ही राजनीति का पूरा ज्ञान होने का भ्रम पाल लेते हैं।

जब धार्मिक संस्थाए शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा से जुड़ती है
तो सांदीपनि आश्रम की झलक दिखाई देती है : मगनभाई पटेल

सूरत। गुजरात के वापी जिले में श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ-सलवाव और अहमदाबाद की ओमकार अंधजन सेवा संस्थान ने ब्लाइंड महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन जी.एम. बिलखिया स्टेडियम, वापी मे किया था। इस टूर्नामेंट की अध्यक्षता गुजरात के जाने-माने उद्योगपति और समाजसेवी मगनभाई पटेलने की थी और उन्होंने मुख्यदाता के रूप में इस संस्था को वित्तीय सहयोग दिया एव टूर्नामेंट की सभी 6 टीमों को भी प्रोत्साहक पुरस्कार देकर सभी खिलाड़िओ का उत्साह बढ़ाया था। इस अवसर पर श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ के पू.कपिलदासजी स्वामीजीने श्री मगनभाई पटेल को स्मृतिचिन्ह एव शॉल देकर सम्मानित किया था।इस कार्यक्रम में पद्मश्री गफूरभाई बिलाखिया (गफूर चाचा) जिनकी विश्व की नंबर वन कंपनी 'मेरिल' सर्जिकल रोबोट और मेडिकल इक्विपमेंट बनाती है, और जिसके वे फाउंडर हैं और इस संस्था के बड़े डोनर भी हैं। उन्होंने इस क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी कंपनी का स्टेडियम निःशुल्क दिया और फाइनेंशियल मदद भी की। पद्मश्री गफूरभाई बिलाखिया गुजरात के उन

कुछ इंडस्ट्रियलिस्ट में से एक हैं जिन्हें 'पद्मश्री' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया श्ए्र्ई फेडरेशन के सेक्रेटरी श्री चिंतनभाई महेता और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अदितिबेन महेता भी उपस्थित थे और उन्होंने पू.कपिलदासजी स्वामीजी को वापी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित कंपनीओ के साथ अपने बिज़नेस रिलेशन के बारे में जानकारी प्रदान की थी। इस क्रिकेट प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ,साल्वाव के पूज्य कपिलजीवनदासजी स्वामीजी के मार्गदर्शन में, पू.रामकृष्णदासजी स्वामीजी, पू.हरिकृष्णदासजी स्वामीजी, ट्रस्टी श्री बाबूभाई सोडवाडिया, श्री मनसुखभाई गोंडलिया, श्री हरेशभाई,एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. शैलेश लुहार,एडमिन डायरेक्टर डॉ.हितेन उपाध्याय और पूरे श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ परिवार,सल्वावने बहुत मेहनत की। वलसाड-डांग के श्इ श्री धवलभाई पटेल, वलसाड जिले के एइ श्री युवराजसिंह जडेजा को भी खास मेहमान के तौर पर आमंत्रित किया गया था। श्री मगनभाई पटेलने गुरुकुल के सभी सेवाकिय प्रोजेक्ट्स का माइक्रो-इंस्पेक्शन किया और सभी सर्विस प्रोजेक्ट्स की तारीफ़ की और पू.कपिलदासजी स्वामीजी और उनकी टीम को बधाई दी और अपने उदबोधन में कहा कि श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ, जो 1983 से कार्यरत है, समाज के उत्थान, धर्म की रक्षा और सनातन हिंदू संस्कृति के प्रचार के लिए एक बेहतरीन मिसाल है। यह संस्था समाज के ज़रूरतमंद लोगों की सेवा के लिए नॉन-प्रॉफिट हेतु से काम करती है और यह संस्था शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के लिए तन, मन और धन से समर्पित है। उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन युग में जब स्कूल और कॉलेज जैसे एजुकेशनल इंस्टिट्यूट नहीं थे, तब गुरुकुल में धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाती थी।

'राष्ट्र निर्माण केवल किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व',आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को मेरठ के शताब्दी नगर स्थित माधवकुंज में आयोजित एक भव्य संवाद कार्यक्रम में देश के भविष्य और सामाजिक एकता पर ज़ोर दिया। 100 वर्षों के संघ के सफर और राष्ट्र की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का निर्माण किसी एक संगठन के बूते नहीं, बल्कि पूरे समाज की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है।आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

शुक्रवार को शताब्दी नगर स्थित माधवकुंज में आयोजित संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. भागवत ने सामाजिक एकता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में हर वर्ग, हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। भागवत ने कहा कि संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए कार्य नहीं करता। शताब्दीनगर स्थित माधवकुंज में मेरठ और ब्रज प्रांत के लगभग 950 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद करते हुए भागवत ने कहा कि भारत को मात्र भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता, यह राष्ट्र भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महावीर, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद और महात्मा गांधी की परंपराओं से प्रेरित है। 'हिंदू' शब्द की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू कोई जाति नहीं, बल्कि एक विशेषण है, जो विविधता में एकता के भाव को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा, ''पूजा पद्धतियां और देवी-देवता भिन्न हो सकते हैं, किंतु संस्कृति का आधार समरसता और एकता है। जब-जब समाज की एकता खंडित हुई, राष्ट्र पर संकट आया।'' मेरठ को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की धरती बताते हुए भागवत ने 1857 के आंदोलन का उल्लेख किया और कहा कि इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में डॉ. हेडगेवार ने 1925 में संघ की स्थापना की। भागवत ने संघ से जुड़ने के पांच मंत्र भी बताए, जिनमें संघ को भीतर से समझना,

अनुषांगिक संगठनों से जुड़ना, कार्यक्रमों में सहयोग, संवाद बनाए रखना और निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के लिए कार्य करना शामिल है। उन्होंने खिलाड़ियों के सवालों के जवाब भी दिए। संवाद कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे खिलाड़ियों ने बताया कि डॉ. भागवत ने अपने लगभग 50 मिनट के संबोधन में संघ की स्थापना से लेकर 100 वर्षों के सफर पर प्रकाश डाला और युवाओं से राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने खिलाड़ियों को कुछ संकल्प भी दिलाए और कहा कि खेल समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। खिलाड़ियों को आमंत्रित कर सम्मानित करना उन्होंने सकारात्मक पहल बताया। अर्जुन अवॉर्डी रेसलर और वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली अलका तोमर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कार्यक्रम बहुत भव्य था और स्वयंसेवकों की अनुशासित व्यवस्था देखकर बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति संघ कार्यकर्ता अपना काम बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं और यह केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दायित्व नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी और युवा का कर्तव्य है। 'पैरा क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया' से श्रीलंका दौरे के लिए चयनित बरेली निवासी खिलाड़ी सूर्य प्रताप मिश्रा ने कहा कि डॉ. भागवत की खेल और खिलाड़ियों के प्रति सोच सराहनीय है। उन्होंने पैरा खिलाड़ियों के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

मुजफ्फरनगर के शुक्रताल से आए कबड्डी कोच पिंटू मलिक ने इसे प्रेरणादायी अनुभव बताया और कहा कि डॉ. भागवत के विचार युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न राज्यों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी क्रम में मेरठ व ब्रज प्रांत का कार्यक्रम शुक्रवार को हुआ। डॉ. भागवत बृहस्पतिवार रात मेरठ पहुंचे थे और शुक्रवार सुबह खेल एवं उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ जलपान कर चर्चा की। शनिवार को समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षा, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, कला और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में सुरक्षा सेवा ट्रेड के प्रशिक्षुओं ने किया शानदार परेड प्रदर्शन

प्रयागराज, नैनी। Naini Industrial Training Centre के सिक्योरिटी सर्विस ट्रेड के प्रशिक्षुओं द्वारा संस्थान परिसर में अनुशासित एवं प्रभावशाली परेड का प्रदर्शन किया गया। इस परेड का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में अनुशासन, एकता, नेतृत्व क्षमता एवं शारीरिक दक्षता का विकास करना था।

परेड के दौरान प्रशिक्षुओं ने कदमताल, सलामी, दाएं-बाएं मुड़, तथा विभिन्न ड्रिल अभ्यासों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रशिक्षुओं की एकरूपता, आत्मविश्वास एवं समन्वय ने उपस्थित प्रशिक्षकों एवं दर्शकों को काफी प्रभावित किया।

संस्थान के निदेशक ने इस अवसर पर कहा कि सुरक्षा सेवा के क्षेत्र में कार्यरत होने के लिए केवल शारीरिक रूप से सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानसिक सजगता, अनुशासन एवं टीम भावना का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं के इस सफल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस परेड प्रदर्शन के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने यह सिद्ध किया कि वे भविष्य में सुरक्षा सेवाओं की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए पूर्णतः तैयार हैं।

रीमाकान - 2026 के आठवें संस्करण का समापन हुआ

रायबरेली। रीमा कान का आठवां संस्करण जो कि र्ईं रायबरेली एवं इंडियन एसोसिएशन आफ क्लिनिकल मेडिसिन के तत्वाधान में आज प्रातः 9:30 से बटोही रिजॉर्ट में शुरू हुआ ट रीमाकान का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ राजीव गोयल प्रेसिडेंट र्छ्ईं यूपी स्टेट,एवं पूर्व प्रेसिडेंट डॉक्टर शरद अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एके गुप्ता के द्वारा किया गया इस अवसर पर र्ईंअध्यक्ष डॉक्टर संजीव जायसवाल ,डॉ अनुपम दीक्षित सचिव र्ईं, डॉ ब्रजेश बहादुर सिंह, डॉक्टर मनीष चौहान डॉक्टर डी आर मौर्य, डॉक्टर सी बी सिंह , डॉक्टर ओमिका चौहान, डॉ मनीष त्रिवेदी , डॉक्टर पूजा आदि उपस्थित थे ट डॉ अरुण पांडे एंडॉक्रिनलॉजिस्ट के द्वारा यह बताया गया कि इंसुलिन को अब स्प्रे के द्वारा मुंह से भी लिया जा सकता है, एवं डॉक्टर ए के गुप्ता विवेकानंद हॉस्पिटल लखनऊ ने खून की कमी एनीमिया के बारे में बताया ,डॉ अर्पित गुप्ता ने ब्लड प्रेशर के बारे में जानकारी दी।

दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा ने पूरा किये 115 वर्ष,भारत में प्रयाग कुंभ के दौरान हुई थी आरंभ-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

आधुनिक समाचार

डाक सेवाओं ने पूरी दुनिया में एक लम्बा सफर तय किया है। भारत को यह सौभाग्य प्राप्त है कि दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा यहीं से आरम्भ हुई। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि यह ऐतिहासिक घटना 115 वर्ष पूर्व 18 फरवरी, 1911 को प्रयागराज में हुई थी। संयोग से उस साल कुंभ का मेला भी लगा था। उस दिन दिन फ्रेंच पायलट मोनसियर हेनरी पिक्वेट ने एक नया इतिहास रचा था। वे अपने विमान में प्रयागराज से नैनी के लिए 6500 पत्रों को अपने साथ लेकर उड़े। विमान था हैवीलैंड एयरक्राफ्ट और इसने दुनिया की पहली सरकारी डाक ढोने का एक नया दौर शुरू किया।

पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के अनुसार प्रयागराज में उस दिन डाक की उड़ान देखने के लिए लगभग एक लाख लोग इकट्ठे हुए थे जब एक विशेष विमान ने शाम को साढ़े पांच बजे यमुना नदी के किनारों से उड़ान भरी और वह नदी को पार करता हुआ 15 किलोमीटर का सफर तय कर नैनी जंक्शन के नजदीक उतरा जो प्रयागराज के बाहरी इलाके में सेंट्रल जेल के नजदीक था। आयोजन स्थल एक कृषि एवं व्यापार मेला था जो नदी के किनारे लगा था और उसका नाम 'यूपी एक्जीबिशन' था। इस प्रदर्शनी में दो उड़ान मशीनों का प्रदर्शन किया गया था। विमान का आयात कुछ ब्रिटिश अधिकारियों ने किया था। इसके कलपुर्जे अलग अलग थे जिन्हें आम लोगों की मौजूदगी में प्रदर्शनी स्थल पर जोड़ा गया। प्रयागराज से नैनी जंक्शन तक का हवाई सफ़र आज से 115 साल पहले मात्र 13 मिनट में पूरा हुआ था। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि हालांकि यह उड़ान महज छह मील की थी, पर इस घटना को लेकर प्रयागराज में ऐतिहासिक उत्सव सा वातावरण था। ब्रिटिश एवं कालोनियल एयरोप्लेन कंपनी ने जनवरी 1911 में प्रदर्शन के लिए अपना एक विमान भारत भेजा था जो संयोग से तब प्रयागराज आया जब कुम्भ का मेला भी चल रहा था। वह ऐसा दौर था जब जहाज देखना तो दूर लोगों ने उसके बारे में ठीक से सुना भी बहुत कम था। ऐसे में इस ऐतिहासिक मौके पर अपार भीड़ होना स्वाभाविक ही था। इस यात्रा में हेनरी ने इतिहास तो रचा ही पहली बार आसमान से दुनिया के सबसे बडे प्रयाग कुंभ का दर्शन भी किया। भारतीय डाक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री कृष्ण कुमार यादव के अनुसार कर्नल वाई विंधाम ने पहली बार हवाई मार्ग से कुछ मेल बैग भेजने के लिए डाक अधिकारियों से संपर्क किया जिस पर उस समय के डाक प्रमुख ने अपनी सहर्ष स्वीकृति दे दी। मेल बैग पर 'पहली हवाई डाक' और 'उत्तर प्रदेश प्रदर्शनी, इलाहाबाद' लिखा था। इस पर एक विमान का भी चित्र प्रकाशित किया गया था। इस पर पारंपरिक काली स्याही की जगह मैजेंटा स्याही का उपयोग किया गया था।

श्याम भक्तों के जयकारों से गूंजी राजधानी शोभा यात्रा में जम कर हुई पुष्प वर्षा

राजधानी लखनऊ के तेलीबाग में सनातनियों ने भगवान श्याम शोभायात्रा का आयोजन किया। तेलीबाग बाजार में स्थित वरदानी हनुमान मंदिर से श्याम भक्तों ने इस शोभायात्रा की शुरुआत की।इस यात्रा में क्षेत्रीय सभासद केपन सिंह के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा तेलीबाग के वरदानी हनुमान मंदिर से प्रारंभ की गयी।इस दौरान श्याम निशान लिये भक्तों ने जमकर जयकारे लगाए।इस श्याम शोभा यात्रा का भ्रमण लगभग 10 किलो मीटर तक रहा।श्याम भक्त अमन कपूर,रेनू कपूर ,चंदन , श्याम,राहुल,बबलू ,अदिति,पूजा ने कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए अहम भूमिका निभाई साथ ही व्यापार मंडल के पदाधिकारियों समेत व्यापारियों ने भी हर्षोल्लास के साथ सहभागिता की।श्याम शोभा यात्रा का वरदानी हनुमान मंदिर पर गुलाब के फूलों और इत्र से स्वागत किया गया वहीं डिफेंस कॉलोनी वासियों ने भी बाबा श्याम शोभा यात्रा का जबरदस्त स्वागत किया गया।

नैनी श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स ने गुप्ता इंटरप्राइजेज को किया सम्मानित, आगे भी मजबूत साझेदारी की उम्मीद

प्रयागराज, 21 फरवरी 2026: नैनी क्षेत्र की प्रमुख ट्रैवल कंपनी श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स ने अपने परमानेंट कस्टमर गुप्ता इंटरप्राइजेज को विशेष सम्मान प्रदान किया। गुप्ता इंटरप्राइजेज, जो पूरे नैनी में 0 पानी कंपनी और सर्विस प्रोवाइडर के रूप में जानी जाती है, को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।इस समारोह में कंपनी के प्रबंधक श्री रामबाबू गुप्ता और इंजीनियर श्री हनुमान गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स ने उम्मीद जताई है कि आगे भी श्री रामबाबू गुप्ता अपनी कंपनी के साथ ट्रेवल्स का प्रचार-प्रसार करेंगे और सहयोग प्रदान करेंगे।यह आयोजन दोनों कंपनियों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है, जो स्थानीय व्यवसायों के लिए प्रेरणादायक है।

पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। आकांक्षी ब्लॉक कोरांव में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा योजना एवं विभिन्न एमएसएमई योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार, डिजिटल लेन-देन, विपणन एवं वित्तीय सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पौधा देकर स्वागत किया गया । श्री संजय कुमार, सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, प्रयागराज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए श्री प्रेम चंद कुमार, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एमएसएमई-डीएफओ, प्रयागराज ने लाभार्थियों को योजना के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी उन्होंने योजना के उद्देश्य मंशा को साझा किया। विशेष संबोधन में श्री रामेश्वर सिंह, एडीओ पंचायत, कोरांव तथा श्रीमती सपना सोनकर, सहायक प्रबंधक उद्योग, प्रयागराज ने कारीगरों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री एल.बी.एस. यादव, निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, प्रयागराज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पारंपरिक कारीगरों का कौशल देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यम से वैश्विक बाजार से जोड़ा जाना आवश्यक है। तकनीकी सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। श्री एस .के. गंगल सहायक निदेशक एमएसएमई विकास कार्यालय प्रयागराज ने पीएम विश्वकर्मा एवं एमएसएमई योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। श्री शिव शंकर सिंह, डायरेक्टर, सिक्योरेन्ट प्राइवेट लिमिटेड ने ऑनलाइन विक्रय, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग के महत्व पर प्रकाश डाला अपने उत्पाद के साथ अपना ब्रांड नाम के साथ पहचान बनाने की बात कही। श्री दीपक वर्मा, ब्रांच मैनेजर, बैंक ऑफ बड़ौदा, कोरांव ने वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता तथा ऋण प्रक्रिया/दस्तावेजीकरण की जानकारी दी। श्री सुमन कुमार सिंह ब्रांच मैनेजर, कोरांव ब्रांच, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्टेट बैंक द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और लोन के बारे में बताया। श्रीमती सपना सोनकर, सहायक प्रबंधक, उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, प्रयागराज ने विभाग की भूमिका एवं योजनाओं के बारे में बताया।

आंगनबाड़ी के 150 कुपोषित बच्चों को मिला पुष्टाहार, छठे चरण का वितरण संपन्न

सोनभद्र। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के तहत छठे चरण में पुष्टाहार वितरण कार्यक्रम शनिवार को कोटा क्षेत्र के जवाहरडाड पतगढ़ी व डाला कजरहट आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चयनित कुपोषित बच्चों एवं उनकी माताओं को आमंत्रित कर पोषण किट वितरित की गईं। इस वितरण कार्य को निशा टर्की ने अल्ट्राटेक सीएसआर हेड ने सम्पन्न किया। कार्यक्रम का संचालन सीडीओ जागृति अवस्थी, एवं इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के दिशा-निर्देशन और सीडीपीओ चोपन तथा मानव संसाधन प्रमुख संजीव राजपूत के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि अल्ट्राटेक और उड़ान सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में कुल 150 चयनित कुपोषित बच्चों को पोषण किट प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र में कुपोषण की समस्या को कम करने की दिशा में कारगर सिद्ध होगी, क्योंकि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा। डीपीओ ने बताया कि प्रथम चरण में सभी बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापकर पोषण स्तर का निर्धारण किया गया, जिसके आधार पर कुपोषित एवं अति कुपोषित श्रेणियां तय हुईं। छठे चरण में उन बच्चों को नियमित पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उनके विकास में निरंतर सुधार हो सके। कार्यक्रम में सीएसआर प्रमुख निशा तिर्की, अधिकारी रोहित श्रीवास्तव, मीनू चौबे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कविता राम सखी मनोरमा देवी सहित अन्य पदाधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित माताओं ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि पोषण किट से बच्चों के आहार में विविधता आएगी और स्वास्थ्य बेहतर होगा ।

डीएम ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलो का किया निरीक्षण

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलो का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व किये जा रहे कार्यो की गहन समीक्षा कर अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने संयुक्त कार्यालय में राजस्व सहायक (प्रथम), न्याय सहायक (द्वितीय), शिकायत प्रकोष्ठ, न्याय सहायक (प्रथम), लेखाकार, डी0एल0आर0सी0, स्थापना, आंग्ल अभिलेखागार, डिस्पैच पटल का निरीक्षण कर पटल से सम्बन्धित कार्यो की गहन समीक्षा की गई व अभिलेखों के रख-रखाव को देखा गया। इसके पश्चात अभिलेखागार का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यरत कार्मिकों की सेवा पुस्तिका का अवलोकन

किया, जिसमें सभी कार्मिकों की सर्विस बुक अपडेट पायी गई। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने सेवा निवृत्त व स्थानान्तरित कार्मिकों की पत्रावलियों का भी अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के समय निर्देशित किया कि किस पटल में क्या कार्य किया जाता है उसको प्रॉपर डिस्प्ले किया जायें। प्रतिदिन लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उसको फॉलोअप किया जाए, जिससे लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके।

निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, एसडीएम अहमद फरीद खान, सचिन यादव, विवेक राजपूत, सारा अशरफ सहित सम्बन्धित अधिकारी व कलेक्ट्रेट कार्मिक उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा उद्योग एवं व्यापार से संबंधित मुद्दों पर हुई बैठक

देव मणि शुक्ल

नोएडा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (जिला गौतमबुद्ध नगर) द्वारा उद्योग एवं व्यापार से संबंधित मुद्दों एवं उनके समाधान पर एक सामूहिक बैठक का आयोजन डॉ पीयूष द्विवेदी चेयरमैन के नेतृत्व में उनके कार्यालय सेक्टर 63 नोएडा में किया गया जिसमें संजय जैन अध्यक्ष, अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव, नरेश बंसल कोषाध्यक्ष, राहुल भाटिया महासचिव, डॉ विकास बंसल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, के.के. अग्रवाल उपाध्यक्ष, संजय कोहली उपाध्यक्ष, सुनील वर्मा सचिव समेत व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारीयों ने बैठक में सम्मिलित हो जन समस्याओं पर अपने-अपने विचार रखें।

परिवहन कर में बड़ा सुधार, अब वाहनों पर वन टाइम टैक्स की सुविधा शुरू

ए0आर0टी0ओ0 कार्यालय में परिवहन मेला का आयोजन 20 व 21 फरवरी को,नई एकमुश्त कर योजना की पूरी जानकारी लें और इसका उठाएं लाभ : ए0आर0टी0ओ0

रायबरेलीः सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), रायबरेली अरविंद कुमार ने बताया है कि प्रदेश सरकार ने परिवहन यानों पर कर प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए एक मुश्त कर की व्यवस्था लागू कर दी है। नई व्यवस्था वाहन मालिकों को बार-बार टैक्स भरने की झंझट से मुक्ति दिलाएगी और विभागीय राजस्व संग्रह को भी मजबूत बनाएगी। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर यह सुविधा वाहन पोर्टल पर तकनीकी रूप से लाइव हो चुकी है।

उन्होंने बताया है कि राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार विभिन्न श्रेणी के परिवहन यानों पर एकमुश्त कर की दरें निर्धारित की गई है, जिसमें भाड़े या पारिश्रमिक पर चलने वाली दोपहिया मोटरसाइकिल वाहन मूल्य का 12.5इ, तिपहिया मोटर कैब वाहन मूल्य का 7इ, 10 लाख रूपये तक के मोटर कैब (तिपहिया को छोड़कर) और मैक्सी कैब वाहन मूल्य का 10.5इ, 10 लाख रूपये से अधिक के मोटर कैब और मोटर कैब वाहन मूल्य का 12.5इ, सनिर्माण उपस्कर/विशेष प्रयोजन यान, जेसीबी, बुलडोजर आदि वाहन मूल्य का 6इ, माल वाहन (3000 किलो तक सकल भार वाले, जैसे पिकअप) वाहन मूल्य का 3इ, माल वाहन (3000 से 7500 किलो तक सकल भार वाले, जैसे मिनी ट्रक) वाहन मूल्य का 6इ, पुराने वाहनों के लिए विशेष छूट पहले से रजिस्टर्ड वाहनों पर एकमुश्त कर की गणना करते समय प्रत्येक बीते वर्ष के लिए 8इ की छूट दी जाएगी। हालांकि यह कुल छूट 75इ से अधिक नहीं होगी। इस योजना का लाभ उठाने के लिए जनपद में उप संभागीय परिवहन कार्यालय, हरदासपुर, रायबरेली परिसर में 20 फरवरी और 21 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक परिवहन मेला लगाया जा रहा है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), रायबरेली ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि निर्धारित तिथियों में पहुंचकर नई एकमुश्त कर योजना की पूरी जानकारी लें और इसका लाभ उठाएं।

कंट्रोल रूम में जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों की हो रही लाइव मॉनिटरिंग, सभी परीक्षा केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

सभी केंद्र व्यवस्थापकों को नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के दिए निर्देश,जनपद में स्थापित कंट्रोल रूम से की जा रही परीक्षा केंद्रों की मॉनिटरिंगड़ीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों निरीक्षण कर, की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायबरेली : जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जनपद में यू0पी0 बोर्ड की परीक्षाओं को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज व पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि पूरी पारदर्शिता और सुचितापूर्ण के साथ नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद को 09 जोन व 19 सेक्टर में विभाजित किया गया है। जनपद में 107 परीक्षा

केन्द्र बनाए गए है, इसके साथ ही जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों पर 1-1 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गयी है, साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के द्वारा मॉनिटरिंग भी की जा रही है। समस्त जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए गए है कि अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में स्थापित जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। कंट्रोल रूम में सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही थी, जिसका अवलोकन किया गया।निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों में पर्याप्त साफ सफाई व पीने के पानी की उचित व्यवस्था पाई गई। समस्त कैमरे क्रियाशील अवस्था मे पाए गए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जीआईसी प्रधानाचार्य रत्नेश कुमार मौजूद रहे।

प्रपत्र प्राप्त/अपलोड करने की अवधि 06 मार्च निर्धारित

रायबरेलीः उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर सर्विस मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियों/संशोधित कार्यक्रम एवं उनकी तिथियां निर्धारित की गई है जिसके अनुसार रिकॉर्ड/कमांडिंग अधिकारियों/संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रपत्र प्राप्त/अपलोड करने की अवधि 06 मार्च 2026 (शुक्रवार) निर्धारित की गई है र्ढ्ईं द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित प्रपत्रों के साथ-साथ फाइलों की प्रक्रिया और निपटान की अवधि 27 मार्च 2026 (शुक्रवार) निर्धारित की गई है। मतदातासूचियों के अंतिम भागों का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को निर्धारित किया गया है।

ब्रज के रंग में रंगा शहरः रासलीला के तीसरे दिन 'माटी चोरी' और 'ऊखल बंधन' लीला ने मोहा भक्तों का मन

चिन्ता पान्डेय

रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र। स्थानीय रामलीला मैदान में आयोजित 11 दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला के तीसरे दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भव्य मंचन किया गया। मथुरा-वृंदावन से आए कलाकारों ने अपनी जीवंत प्रस्तुति से पांडाल में मौजूद श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

मंचन की शुरुआत नटखट कान्हा द्वारा सखाओं के साथ माटी खाने के प्रसंग से हुई। जब माता यशोदा उन्हें पकड़ती हैं और मुख खोलने को कहती हैं, तो कान्हा के मुख में ब्रह्मांड के दर्शन पाकर मैया अचंभित रह जाती हैं। इस दृश्य ने दर्शकों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इसके

बाद माता यशोदा द्वारा बाल कृष्ण की शरारतों से तंग आकर उन्हें ऊखल से बांधने का प्रसंग दिखाया गया। इस लीला के माध्यम से कलाकारों ने दिखाया कि कैसे भगवान अपने भक्तों के प्रेम के वश में बंध जाते हैं। वहीं कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि रासलीला का मंचन 25 फरवरी तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के अलग-अलग प्रसंगों को दर्शाया जाएगा। अंत में आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर समिति के जितेन्द्र, राम प्रसाद यादव कृष्ण मुरारी गुप्ता सचिन गुप्ता, धीरज जालान, बचाऊं पाण्डेय, राकेश गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव संदीप चौरसिया, राजेश सोनी, धर्मेश, विजय कनोडिया, अशोक श्रीवास्तव धर्मेश सिंह खरवार, सरजू प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मौलिक अधिकार पार्टी का अपनी सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन व ज्ञापन कार्यक्रम सम्पन्न

आधुनिक समाचार

प्रतापगढ़। सत्रह फरवरी 2026 को मौलिक अधिकार पार्टी उत्तर प्रदेश की जनपदीय इकाई प्रतापगढ़ के तत्वावधान में भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के परिनिर्वाण दिवस पर जिला कलेक्ट्रेट प्रांगण प्रतापगढ़ में 11:00 बजे प्रातः से अपराह्न 3:00 बजे तक जिला अध्यक्ष प्रतापगढ़ विश्वास ठाकुर के नेतृत्व में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन का कार्यक्रम झंडा, टोपी ,बैनर के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी शास्त्री , प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट संगीता विश्वकर्माऔर रा0 संप्रेक्षक शिवमूरत शर्मा द्वारा भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्प , माला अर्पित कर प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी शास्त्री और प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट संगीता विश्वकर्मा का मल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी प्रदेश महासचिव राम बहादुर शर्मा नंद और कार्यक्रम आयोजक राष्ट्रीय संप्रेक्षक एवं आगामी विधानसभा विश्वनाथगंज चुनाव प्रत्याशी शिवमूरत शर्मा मौलिक अधिकार पार्टी ने अतिथि गण का स्वागत करते हुए मौलिक अधिकार पार्टी जिंदाबाद। राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जेपी शास्त्री जिंदाबाद। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट संगीता विश्वकर्मा जिंदाबाद के नारे के साथ क्रमशः 7 सूत्रीय ज्ञापन के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।प्रदेश सचिव अमरनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि 76 वर्षों में 52इआबादी वाले पिछड़े वर्ग को पर्याप्त आरक्षण नहीं दिया गया जबकि संविधान में आर्थिक पिछड़ापन मौलिक अधिकारों की श्रेणी में न होने पर भी मोदी सरकार ने 13.50इ अगड़े वर्ग को 10इ आरक्षण दे दिया है किन्तु अतिपिछड़े वर्गों के लिए केंद्र की एल0आर0नायक रिपोर्ट,उ0प्र0 की साथी छेदीलाल की रिपोर्ट, सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट सरकार के ठंडे बस्ते में पड़ी है। अतएव जनसंख्या अनुपात में आरक्षण लागू हो।यूजीसी बिल 2026 बहाल हो ।, प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट संगीता विश्वकर्मा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि नया यू जी सी बिल 2026उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता और जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था जिसके तहत् विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने नए नियम लागू किए थे, जिसमें उच्च शिक्षा में भेदभाव रोकना और समान अवसर सुनिश्चित करना था ।विश्वविद्यालय में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए सख्त नियम बनाना छात्रों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान

करना था परंतु सवर्ण समुदाय के विरोध के कारण सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दी जिसे तत्काल प्रभाव से बहाल करना न्याय संगत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलिक अधिकार पार्टी जेपी शास्त्री ने विषमतावादी भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वर्तमान सरकार पूंजीवादी व्यवस्था और उद्योगपतियों की हिमायती है इसकी आर्थिक नीति देश के लिए घातक है। उदारीकरण निजीकरण एवं भूमंडलीकरण की नई विश्व आर्थिक नीति के कारण देश में 27000 बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे आ रही हैं, एक ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में व्यापार करने के लिए आई थी जिसके कारण अंग्रेजों ने दो वर्षों तक राज किया। आगे आने वाला समय बड़ा ही चिंतनीय और जनता के लिए अहितकर होगा। वर्तमान सरकार ने विदेशी एवं स्वदेशी उद्योगपतियों को अपने उत्पादन का मूल्य निर्धारण, कर्मचारियों की नियुक्ति, निष्कासन, वेतनमान, सेवा शर्तों के निर्धारण का अधिकार देकर जनता के शोषण का रास्ता साफ कर दिया है। जिसे तुरंत निरस्त किया जाए । इसके अलावा मीडिया आयोग का गठन होना अति आवश्यक है। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के अच्छे बुरे कार्यों को जनता तक पहुंचाना तथा जनता की समस्याओं को उन तक पहुंचाने का कार्य पत्रकारिता करती है। जो प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जानी जाती है। आए दिन पत्रकारों पर हमला, दुर्घटना तथा मृत्यु तक हो जाती है क्योंकि समाचार संकलन जोखिम भरा कार्य है। इसलिए मीडिया से जुड़े लोगों को निशुल्क दुर्घटना बीमा, सेवा शर्तें एवं वेतनमान का निर्धारण करना न्याय संगत है। अतः मीडिया आयोग का गठन किया जाए। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए र्म्ि का प्रयोग बन्द कर चुनाव वैलेट बॉक्स और बैलेट पेपर से हो। अंततः राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने मौलिक अधिकार पार्टी के अनुशासित एवं कर्मठ पदाधिकारी को प्रोत्साहित करते हुए कहा आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में जनसंख्या अनुपात में अति पिछड़े वर्गों को प्रत्याशी बनाकर सत्ता में भेजकर राजनीति में भागीदारी देने के लक्ष्य को पूरा करना है। 3बजे अपराह्न जिलाध्यक्ष विश्वास ठाकुर, कार्यक्रम प्रभारी प्रदेश महासचिव राम बहादुर शर्मा, आयोजक एवं राष्ट्रीय संप्रेक्षक शिवमूरत शर्मा और प्रदेश महासचिव एडवोकेट संगीता विश्वकर्मा ने ज्ञापन पढ़ कर सुनाने के बाद महामहिम द्रौपदी मुर्मू राष्ट्राध्यक्ष भारत सरकार को संबोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन जनपद, तहसील, ब्लाक में धरना स्थल सुनिश्चित करने संबंधी स्थानीय मुद्दे के साथ द्वारा जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ सौंपा गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त

23 फरवरी से होगा पर्चा का वितरण, 24 फरवरी तक होगा पर्चा का दाखिला,9 मार्च को होगा मतदान, उसी दिन होगी मतगणना और विजयी पदाधिकारियों की घोषणा

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025 -2026 के चुनाव हेतु एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र का चुनाव कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। उनके सहयोग के लिए सुरेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट व राजकुमार सिंह पटेल एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने कहा कि चुनाव अधिकारी का स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी होती है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना, जिसमें मतदान, मतगणना और परिणामों की घोषणा शामिल है।

मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि चुनाव का समय सारणी घोषित कर दिया गया है। नामांकन प्रपत्र वितरण व जमा 23 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक होगा। नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र पर आपत्ति तथा नामांकन प्रपत्र की जांच व आपत्ति का निस्तारण 25 फरवरी 2026 को होगा। वैध नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र वापसी व अंतिम सूची का प्रकाशन 26 फरवरी 2026 को होगा। निःशुल्क मतदाता सूची का वितरण 27 फरवरी को व टेंडर मतदान 7 मार्च 2026 को होगा। मतदान की तिथि 9 मार्च 2026 को नियत की गई है। उसी दिन मतगणना होगी तथा उसी दिन परिणाम की घोषणा होगी तथा एल्डर कमेटी द्वारा शपथ ग्रहण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष श्यामाबिहारी यादव एडवोकेट,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट, महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह मौर्य एडवोकेट, चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट, एल्डर कमेटी के सदस्यगण मुश्ताक अली एडवोकेट, निर्मलेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट व छोटे लाल गौतम एडवोकेट मौजूद रहे।

होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य सचल दलों द्वारा की गई प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही

रायबरेलीः- सहायक आयुक्त खाद्य-2 रायबरेली डा0 सी0आर0 प्रजापति द्वारा बताया गया कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देश पर जनपद में होली पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने एवं उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने हेतु अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही हेतु जनपद में दो खाद्य सचल दलों का गठन किया गया है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-? खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, रायबरेली ने बताया कि उक्त दलों द्वारा जनपद में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की गयी जिसमे से खाद्य प्रतिष्ठान रचित गोल्ड कचरी, मुंशीगंज रायबरेली मे 498 कि0 ग्रा0 रंगीन कचरी, अनुमानित मूल्य रु0 18924 को जब्त किया गया तथा जांच हेतु 01 नमूना संग्रहीत किया गया। मिलावटी खोया के भंडारण के संदेह पर गुरु राम दास आइस एंड कोल्ड स्टोरेज, गल्ला मंडी का निरीक्षण किया गया जिस पर किसी भी प्रकार की संदिग्ध खाद्य सामाग्री भंडारित नहीं पायी गयी। इसी प्रकार सम्राट गुड़ भंडार का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिष्ठान मे सुधार हेतु खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत सुधार नोटिस जारी करने की प्रक्रिया प्रचलित कर दी गयी है। अभियान मे मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी हरेन्द्र, सत्येन्द्र यादव, संजय कुमार त्रिपाठी एवं सौरभ उत्तम सम्मिलित रहें। खाद्य कारोबारकर्ताओं को हिदायत दी जा रही है कि किसी भी दशा में अधोमानक व असुरक्षित तथा दूषित खाद्य पदार्थ का क्रय -विक्रय न करें तथा आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराये तथा यह भी निर्देश दिये जा रहे है कि बिना खाद्य लाइसेंस व पंजीकरण के खाद्य कारोबार संचालित न करें। अन्यथा की दशा में कड़ी विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

मेगा/वृहद विधिक सेवा शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

रायबरेलीः- उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली

अमोद कंठ के दिशा-निर्देशन में तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रघुनाथपुर कटैली में मेगा/ बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर की सफलता हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में बताया गया कि विधिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली में 22 फरवरी 2026 को मेगा/ वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रमिक पेंशन योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना समेत किसानों से जुड़ी योजनाओं, दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं के अलावा बाकी सभी विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। आप सभी जन-सामान्य उक्त दिनांक को आयोजित होने वाले विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में उपस्थित होकर इसका लाभ उठायें।उक्त कार्यक्रम मे ग्राम प्रधान सतीश यादव, पंचायत सेक्रेटरी हंसराज सिंह, पराविधिक स्वयंसेवक पवन कुमार श्रीवास्तव व मनोज कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग में स्पार्क मिंडा की अनोखी पहल

देव मणि शुक्ल

नोएडा ऑटो कंपोनेंट सेक्टर में एक अग्रणी कदम उठाते हुए, स्पार्क मिंडा ने अपने पहले 'स्पार्क-ए-थॉन' का आयोजन किया, जिसमें कर्मचारी सहभागिता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक प्रभाव को आधिकारिक थीम क्ष्उग्नऊर्दर्ड्डग्ह के अंतर्गत एक साथ जोड़ा गया। आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह पहल 1 मार्च तक जारी रहेगी। इस अभियान में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, पुणे, चेन्नई, वियतनाम और इंडोनेशिया सहित विभिन्न स्थानों से 2,000 से अधिक कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कर्मचारी महिला शक्ति और सामूहिक उद्देश्य का सम्मान करने के लिए एकजुट हो रहे हैं। केवल नोएडा और ग्रेटर नोएडा स्थानों से ही लगभग 600 कर्मचारी अब तक इसमें भाग ले चुके हैं। स्पार्क-ए-थॉन की सबसे विशेष बात इसका सशक्त सामाजिक संकल्प रहा। प्रत्येक महिला प्रतिभागी के लिए, स्पार्क मिंडा ने अपनी प्रमुख सामाजिक पहल 'शक्ति' के माध्यम से सेनेटरी नैपकिन दान करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत जनपद के 12158 कृषकों के खाते में कुल रू0 14173305 डी0बी0टी0 के माध्यम से हुई प्राप्त

रायबरेलीः- मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा एवं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत लाभार्थी कृषको को डी0बी0टी0 के माध्यम में क्षतिपूर्ति वितरण समारोह तथा कृषि भवनों का शिलान्यास किया गया, जिसका सजीव प्रसारण जनपद स्तर पर, तहसील मुख्यालयों एवं सभी विकास खण्ड स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डारी/ब्लाक मुख्यालयों, सीएससी केन्दों तथा बैंक शाखाओं पर किया गया।

जनपद स्तर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम एन.आई.सी. भवन कलेक्ट्रेट परिसर में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी तथा मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त/ राजस्व) अमृता सिंह की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। जनपद स्तर पर लाभार्थियों के मध्य इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत 10 किसानों को खरीफ 2025 में प्राकृतिक आपदा/विपरीत मौसमी परिस्थितियों के कारण खरीफ फसलों में हुई क्षति के फलस्वरूप क्षतिपूर्ति के धनराशि से सम्बन्धित प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 10 किसानों/आश्रितों को 05-05 लाख रुपये के सांकेतिक चेक सौपे गये। राज्य स्तर के मुख्य कार्यक्रम लखनऊ से मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा बटन दबाकर डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत जनपद रायबरेली के 12158 कृषकों के खाते में कुल रू0 14173305 की धनराशि कृषको को क्षतिपूर्ति के रूप में सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 48 लाभार्थियों को कुल 02 करोड़ 20 लाख की धनराशि उनके बैंक खाते में भेजी गयी। कार्यक्रम में प्राकृतिक आपदाओं से हुई फसल क्षति के लाभार्थियों, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना के लाभार्थियों को क्षतिपूर्ति/ सहायता धनराशि एवं आपदा मित्रों को सामूहिक जीवन बीमा योजना के प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर यह बताया गया कि सरकार किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय किसानों एवं अन्नदाताओं के सहयोग के लिए तैयार है तथा आपदा मित्रों की सराहनीय भूमिका के दृष्टिगत होमगार्ड की भर्ती में उन्हें वरीयता देने का प्रस्ताव है। साथ ही साथ उन्हें प्रशिक्षण में किट भी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा सभी का जीवन बीमा भी किया जा रहा है जिनसे आपदा बचाव के कार्यों में यदि कोई दुर्घटना से प्रभावित होता हैं तो उसको उसका लाभ दिया जाए। इसी कार्यक्रम में कृषि भवनों व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का शिलान्यास किया गया।इस कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक विनोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, जिला उद्यान अधिकारी रायबरेली जयराम वर्मा, एलडीएम रायबरेली रूपेश दुबे, जिला आपदा विशेषज्ञ अंकित पाण्डेय सहित। कृषकगण आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने नवनिर्मित संकुल भवन का किया उद्घाटन

रायबरेलीः- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विकास खण्ड महराजगंज की ग्राम पंचायत सुल्तानपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत समूह की महिलाओं के विकास के लिए नवनिर्मित निर्मल महिला संकुल स्तरीय समिति के भवन का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने पंचायत भवन के परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा स्वयं सहायता समूहों के आजीविका संवर्धन हेतु विकास महिला ग्राम संगठन ग्राम पंचायत पखनपुर को रु0 15 लाख तथा आकाश महिला ग्राम संगठन ग्राम पंचायत हरदोई को रु0 30 लाख 80 हजार का सामुदायिक निवेश निधि का चेक प्रदान किया। समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित उत्पाद भेट किये, निर्मल महिला संकुल स्तरीय समिति का गठन 17 मई 2022 को हुआ था, जिसके अन्तर्गत 13 ग्राम पंचायतों के 14 ग्राम संगठन तथा उनमे गठित 228 महिला स्वयं सहायता समूह आते है। संकुल भवन का निर्माण में मनरेगा (9.97 लाख) राज्य वित्त (1.5 लाख) तथा निर्मल महिला संकुल स्तरीय समिति द्वारा अपने स्टार्टअप फण्ड से ऑफिस सेटअप हेतु (49 हजार) से व्यय किया गया है। कार्यक्रम में निर्मल महिला संकुल स्तरीय समिति से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा स्वयं से निर्मित उत्पाद (सजावटी झालर, अचार, आलू पापड़, आलू चिप्स, देशी घी, कम्पोस्ट खाद, हर्बल गुलात, नर्सरी के पौधे आदि प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाया गया।जिलाधिकारी ने विकास खण्ड की टीम द्वारा किये गये अच्छे कार्य की सराहना की तथा स्वयं सहायता समूहों की दीदियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0 सतीश प्रसाद मिश्रा, उपायुक्त (स्वतः रोजगार) सविता सिंह, खण्ड विकास अधिकारी महराजगंज वर्षा सिंह, खण्ड विकास अधिकारी बछरावां शिव बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान संत लाल सहित संकुल स्तरीय समिति के पांच पदाधिकारी अध्यक्ष किरन, उपाध्यक्ष रामरानी, सचिव शाहजहाँ बानो, उपसचिव माधुरी, कोषाध्यक्ष तारावती, स्वयं सहायता समूह की दीदियों तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिना ले-आउट पास कराये प्लाटिंग तथा भवन व अन्य निर्माण कार्यों का चिन्हांकन प्रारम्भ

विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बिना ले-आउट पास कराये अवैध प्लाटिंग निर्माण न करें - सचिव, आर0डी0ए0 ,प्राधिकरण क्षेत्र में कोई भी निर्माण करने से पूर्व मानचित्र अवश्य स्वीकृत करा लें विशाल कुमार ,मानचित्र स्वीकृति के लिए विकास प्राधिकरण में सिंगल विंडो सिस्टम

रायबरेलीः रायबरेली विकास प्राधिकरण, प्राधिकरण क्षेत्र में बिना ले-आउट पास कराये प्लाटिंग करने या बिना नक्शा पास कराये मकान बनाने या कि किसी भी प्रकार के निर्माण को लेकर सख्त हो गया है।

जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण हर्षिता माथुर के निर्देश पर सचिव, विकास प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी विशाल कुमार यादव ने ऐसे बिना ले-आउट पास कराये प्लाटिंग तथा भवन व अन्य निर्माण कार्यों का चिन्हांकन प्रारम्भ कर दिया है। सचिव द्वारा बताया गया कि उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन कार्य में तेजी लायी गयी है। प्राधिकरण क्षेत्र में पूर्व में भी बिना ले-आउट या नक्शा पास प्लाटिंग/भवनों आदि पर डिमोलीशन/ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। समय-समय पर अवैध प्लाटिंग, निर्माण पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही विकास प्राधिकरण द्वारा की जाती है।

सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि कोई भी प्लाट क्रय करने से पूर्व भूमि का भू-उपयोग (लैण्ड यूज) अवश्य पता कर ले तथा ले-आउट स्वीकृत प्लाट ही खरीदें। बिना ले-आउट स्वीकृत कॉलोनी विकसित करना और प्लाटिंग करना अवैधानिक है। ऐसे बिना ले-आउट पास कालोनी में मकान बनाने या अन्य निर्माण पर रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा मानचित्र स्वीकृत नहीं किया जा सकता तथा ऐसे अवैध प्लाटिंग और कालोनियों तथा अनधिकृत निर्माण की स्थिति में विधिक व ध्वस्तीकरण की कार्यवाही रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा की जा सकती है। सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में प्लाटिंग कर्ताओं को चेतावनी दी है कि बिना ले-आउट पास कराये अवैध प्लाटिंग, निर्माण आदि न करें साथ ही उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि कोई भी प्लाट खरीदने से पूर्व भूमि का भू-उपयोग (लैण्ड यूज) अवश्य पता कर ले, यदि किसी प्लाटिंग/कालोनी में प्लाट क्रय कर रहे हैं तो यह अवश्य जानकारी कर लें कि प्लाटिंगकर्ताओं द्वारा कालोनी का ले-आउट विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कराया गया है या नहीं। यदि ले-आउट अप्रूव है तभी प्लाट/भूमि खरीदें, अन्यथा जब कालोनी को अवैध मानते हुए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जायेगी तब आमजन के जीवन भर की पूंजी चली जायेगी। साथ ही अवैध कालोनी में आपके मकान का मानचित्र भी स्वीकृत नहीं होगा इसलिए उन्होंने आमजन से अपील की है कि रायबरेली विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत प्लाटिंग/कालोनी में ही प्लाट खरीदें। किसी कालोनी का ले-आउट स्वीकृत है या नहीं या भू-उपयोग क्या है, इसकी जानकारी विकास प्राधिकरण में किसी भी कार्यालय दिवस में ली जा सकती है। सचिव द्वारा आमजन से यह भी अपील की गयी है कि प्राधिकरण क्षेत्र में कोई भी निर्माण करने से पूर्व मानचित्र अवश्य स्वीकृत करा लें। मानचित्र स्वीकृति के लिए विकास प्राधिकरण में सिंगल विंडो सिस्टम है। विकास प्राधिकरण लैण्ड यूज के अनुरूप 15 दिवस में मानचित्र स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। मानचित्र स्वीकृत न पाये जाने की दशा में निर्माण कार्य रोकने, सीलिंग के साथ ध्वस्तीकरण की भी कार्यवाही की जा सकती है। इसलिए किसी भी प्रकार के निर्माण से पूर्व भूमि का भू-उपयोग जानने के साथ-साथ मानचित्र/ले-आउट स्वीकृत होना आवश्यक है, जिससे शहर का सुनियोजित विकास हो सके।

आंगनबाड़ी के 150 कुपोषित बच्चों को मिला पुष्टाहार

छठे चरण का वितरण संपन्न

सोनभद्र। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के तहत छठे चरण में पुष्टाहार वितरण कार्यक्रम शनिवार को सलई बनवा आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चयनित कुपोषित बच्चों एवं उनकी माताओं को आमंत्रित कर पोषण किट वितरित की गईं। इस वितरण कार्य को डीपीओ विनीत सिंह ने सम्पन्न किया।कार्यक्रम का संचालन सीडीओ जागृति अवस्थी, डीपीओ विनीत सिंह एवं इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के दिशा-निर्देशन और सीडीपीओ चोपन तथा मानव संसाधन प्रमुख संजीव राजपूत के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि अल्ट्राटेक और उड़ान सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में कुल 150 चयनित कुपोषित बच्चों को पोषण किट प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र में कुपोषण की समस्या को कम करने की दिशा में कारगर सिद्ध होगी, क्योंकि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

विकासखंड रॉबर्ट्सगंज का उन्मुखीकरण दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

सोनभद्र। शनिवार को विकासखंड रॉबर्ट्सगंज का उन्मुखीकरण दिवसीय कार्यक्रम उच्च विद्यालय अखाड़ा मोहाल पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय, विशिष्ट अतिथि रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश चन्द्र शुक्ला, बृजेश सिंह खंड शिक्षा अधिकारी कर्मा जिला समन्वयक जय किशोर वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज महेन्द्र कुमार मौर्य ने किया। मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय अखाड़ा मोहाल के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम पर सभी अतिथियों द्वारा खूब सराहना किया गया।

तत्पश्चात बेसिक शिक्षा परिषद विद्यालय के 19 पैरामीटर को संतृप्त करने में प्रधान लोगो की अहम भूमिका पर विशेष चर्चा किया गया। प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश शुक्ला द्वारा सभी ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक लोगो को आपसी समन्वय बनाकर विद्यालय कायाकल्प कार्य को पूर्ण करने का आग्रह किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी ग्राम प्रधान जी लोगो से आग्रह किया गया कि अपने अपने गांव के सभी बच्चों को परिषद विद्यालय में भेजने का अनुरोध किया एवं बताया कि हमारे सभी विद्यालय सभी मूलभूत सुविधाओं से संतृप्त हैं जबकि अन्य विद्यालय में सभी सुविधा से नहीं है। इस कार्यक्रम का संचालन ए आर पी अरुण कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस पर सभी ए आर पी, दिनेश कुमार मिश्रा, कमल नारायण सिंह, जनार्दन प्रसाद पाण्डेय, समस्त नोडल शिक्षक, संकुल शिक्षक, प्रधानाध्यापक, ग्राम प्रधान, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। ब्लॉक क्वालिटी कोऑर्डिनेटर वरुण कुमार त्रिपाठी, आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, कमलेश सिंह, इंदु प्रकाश सिंह, अनुपम तिवारी, अरविन्द दुबे, बृजबाला सिंह, एवम अन्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रासलीला में वीर अभिमन्यु के शौर्य पराक्रम की लीला का हुआ सुंदर मंचन

सोनभद्र। नगर के राममलीला मैदान में चल रहे 11 दिवसीय श्री कृष्ण रासलीला के छठवें दिन वीर अभिमन्यु के शौर्य पराक्रम की लीला का सुंदर मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।बतादें कि स्वामी दाऊद दयाल उपाध्याय की रासलीला मडंली के द्वारा रासलीला, रासविहार,मयूर नृत्य, वीर अभिमन्यु वध, जयद्रथ वध का मंचन किया गया। रास विहार मयूर नृत्य देख कर दर्शक भक्ति विभोर हो गये। रात में खेली गई रासलीला के मंचन मे पांडवों और कौरवो का युद्ध दिखाया गया। युद्ध के दौरान अर्जुन की अनुपस्थिति में कौरवों ने चक्रवयूह की रचना की। कौरवो को मालूम था कि पांडवों की सेना मे अर्जुन के अतिरिक्त चक्र व्यूह तोड़ना किसी को नही आता है।

डीएम ने तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएमसम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 56 शिकायतें आयी, 05 का तत्काल हुआ निस्तारण

रायबरेलीः- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये।

जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील महराजगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 24, पुलिस 07, विकास 16 एवं अन्य 09 कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 05 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, उप जिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 सतीश प्रसाद मिश्रा सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

रायबरेलीः- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील महराजगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 24, पुलिस 07, विकास 16 एवं अन्य 09 कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 05 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य सचल दलों द्वारा की गई प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही

रायबरेलीः- सहायक आयुक्त खाद्य-2 रायबरेली डा0 सी0आर0 प्रजापति द्वारा बताया गया कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देश पर जनपद में होली पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने एवं उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने हेतु अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही हेतु जनपद में दो खाद्य सचल दलों का गठन किया गया है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-? खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, रायबरेली ने बताया कि उक्त दलों द्वारा जनपद में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की गयी जिसमे से खाद्य प्रतिष्ठान रचित गोल्ड कचरी, मुंशीगंज रायबरेली मे 498 कि0 ग्रा0 रंगीन कचरी, अनुमानित मूल्य रु0 18924 को जब्त किया गया तथा जांच हेतु 01 नमूना संग्रहीत किया गया। मिलावटी खोया के भंडारण के संदेह पर गुरु राम दास

आइस एंड कोल्ड स्टोरेज, गल्ला मंडी का निरीक्षण किया गया जिस पर किसी भी प्रकार की संदिग्ध खाद्य सामाग्री भंडारित नहीं पायी गयी। इसी प्रकार सम्राट गुड़ भंडार का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिष्ठान मे सुधार हेतु खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत सुधार नोटिस जारी करने की प्रक्रिया प्रचलित कर दी गयी है। अभियान मे मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी हरेन्द्र, सत्येन्द्र यादव, संजय कुमार त्रिपाठी एवं सौरभ उत्तम सम्मिलित रहें। खाद्य कारोबारकर्ताओं को हिदायत दी जा रही है कि किसी भी दशा में अधोमानक व असुरक्षित तथा दूषित खाद्य पदार्थ का क्रय - विक्रय न करें तथा आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराये तथा यह भी निर्देश दिये जा रहे है कि बिना खाद्य लाइसेंस व पंजीकरण के खाद्य कारोबार संचालित न करें। अन्यथा की दशा में कड़ी विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

वीर अभिमन्यु के शौर्य पराक्रम की लीला का हुआ सुंदर मंचन

सोनभद्र। नगर के राममलीला मैदान में चल रहे 11 दिवसीय श्री कृष्ण रासलीला के छठवें दिन वीर अभिमन्यु के शौर्य पराक्रम की लीला का सुंदर मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

स्वामी दाऊद दयाल उपाध्याय की रासलीला मडंली के द्वारा रासलीला, रासविहार,मयूर नृत्य, वीर अभिमन्यु वध, जयद्रथ वध का मंचन किया गया। रास विहार मयूर नृत्य देख कर दर्शक भक्ति विभोर हो गये। रात में खेली गई रासलीला के मंचन मे पांडवों और कौरवो का युद्ध दिखाया गया।

युद्ध के दौरान अर्जुन की अनुपस्थिति में कौरवों ने चक्रवयूह की रचना की। कौरवो को मालूम था कि पांडवों की सेना मे अर्जुन के अतिरिक्त चक्र व्यूह तोड़ना किसी को नही आता है। च्रकव्यहू की सूचना मिलते ही पाडंवों की सेना में खलभली मच गई कि कौन योद्धा च्रकव्यूह को तोड़ेगा।

युद्ध में अभिमन्यु धीरे धीरे विजय की तरफ बढ़ रहा था कि सातों महारथियो ने अभिमन्यु का छल कपट से वध कर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, समिति के राम प्रसाद यादव, मनोज सिंह, राजु मिश्र,सत्येंद्र पांडेय, धर्मेश सिंह खरवार, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, अशोक श्रीवास्तव,विजय कानोड़िया, संतोष सिंह चंदेल, कमला कांत पांडेय, मिठाई लाल सोनी, शीतल सोनी, गिरीश पांडेय, ब्रजेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने कहा कि रासलीला का मंचन करना एक बड़ा काम है, और स्वामी दाऊद दयाल उपाध्याय की रासलीला मडंली ने बहुत ही सुंदर तरीके से मंचन किया है। उन्होंने कहा कि यह रासलीला सोनभद्र के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार है। समिति के जितेंद्र सिंह ने कहा कि रासलीला का मंचन करना एक बड़ा काम है, और हमने इसे बहुत ही सुंदर तरीके से किया है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को भगवान की भक्ति की ओर ले जाना है। कृष्ण मुरारी गुप्ता ने कहा कि रासलीला का मंचन करना एक बड़ा काम है, और हमने इसे बहुत ही सुंदर तरीके से किया है। उन्होंने कहा कि यह रासलीला सोनभद्र के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार है।

सम्पादकीय

एआई के लिए पीएम मोदी का 'मानव' मंत्र दुनिया को दिया जिम्मेदार तकनीक का संदेश

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के लिए माव मंत्र देते हुए मानवतावादी, पारदर्शी और साझा विकास का विजन रखा। उन्होंने तकनीक पर एकाधिकार तोड़ने, ओपन कोड और वैश्विक मानकों की जरूरत बताई। डीपफेक जैसी चुनौतियों पर नियंत्रण के साथ भारत ने यूपीआई जैसे उदाहरणों से अपनी एआई क्षमता और वैश्विक नेतृत्व की संभावनाएं प्रदर्शित कीं। नई तकनीक अपने साथ उत्साह लाती है और आशंकाएं भी। इतिहास में मानवता ने जितने भी बड़े बदलाव देखे, वे इन्हीं मिली-जुली भावनाओं के साथ अपनाए गए।ंिद के साथ भी ऐसा ही है, लेकिन इस बार भावनाएं ज्यादा तीव्र हैं। वजह कि बदलाव की रफ्तार बेहद तेज है और असर व्यापक। ऐसे में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस विजन और जिम्मेदारी की बात कही है, उसकी पूरी दुनिया को जरूरत है। इसी से तय होगा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आगे चलकर क्या रंग लाता है। पीएम मोदी ने एआई के लिए मानव मंत्र दिया है। यह वो मानवतावादी दृष्टिकोण है, जो पारदर्शिता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और साझा विकास की बात करता है। जब कुछ देश तकनीक और संसाधनों पर कब्जा चाहते हैं, तब भारत का संदेश है कि एकाधिकार टूटना चाहिए। कुछ देश प्रॉड्यूसर और बाकी केवल यूजर बनकर नहीं रह सकते। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर ब्रैड स्मिथ ने भी तकनीक के जरिये इसी समानता की बात कही है। एआई से उम्मीद है कि वह विकसित और विकासशील देशों के बीच की खाई को पाटने में मदद कर सकता है। ऐसा भरोसा कभी इंटरनेट ने भी जगाया था, पर विभिन्न देशों के विभिन्न नियम-कायदों ने उसे कई खांचों में बांट दिया। लेकिन, एआई की क्षमता इससे आगे की है। इसकी बढ़त का फायदा सभी को मिल सकता है, बशर्ते पारदर्शिता हो। समिट में भारत ने अपनी सोच रखी कि कोड ओपन हों और शेयर किए जाएं, तभी उन्हें ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकता है। वैश्विक साझेदारी इसलिए भी जरूरी है ताकि एआई के गलत इस्तेमाल को रोका जा सके। डीपफेक और फर्जी ऑडियो-विडियो-फोटो कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती हैं और इनका सामना कमोबेश सारे देश कर रहे। इसी वजह से भारत ने पिछले दिनों डिजिटल नियमों को ज्यादा सख्त किया है। पीएम मोदी ने ग्लोबल स्टैंडर्ड की बात कही है, जो वक्त की जरूरत है। इस समिट के जरिये भारत ने दिखाया है कि उसके पास एआई के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम बनाने की क्षमता है। ळङ्घ इसका उदाहरण है, जिसकी तारीफ इस आयोजन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की। रिलायंस और अडाणी जैसे बड़े समूहों का आगे आना अच्छे संकेत हैं। दूसरे दिग्गजों के पास भी अवसर है कि वे भारत में बन रहे मौकों का इस्तेमाल कर ऐसे प्रॉडक्ट डिवेलप करें, जो फिर बाकी दुनिया के काम आएं।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें '8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर' देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनैंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं। मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

क्या है पैक्स सिलिका? इसमें शामिल होकर भारत ने कैसे चीन को बेचैन कर दिया है?

नीरज कुमार दुबे

भारत ने आज अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ते हुए एक अहम रणनीतिक कदम उठाया। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अवसर पर दोनों देशों ने पैक्स सिलिका डिक्लेरेशन पर हस्ताक्षर किए। इस घोषणा का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं के क्षेत्र में भरोसेमंद और लचीला सहयोग तंत्र विकसित करना है।

हम आपको बता दें कि पैक्स सिलिका अमेरिकी विदेश विभाग का प्रमुख ढांचा है, जिसका लक्ष्य प्रौद्योगिकी और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में भरोसेमंद साझेदारों का नेटवर्क बनाना है। घोषणा पत्र में आर्थिक सुरक्षा के लिए मजबूत आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दीर्घकालिक वैश्विक समृद्धि का परिवर्तनकारी साधन बताया गया है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर कहा कि भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में दीर्घकालिक चक्रवृद्धि विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि यह सोच 1947 से निरंतर बनी रहती तो आज स्थिति अलग होती, लेकिन अब भी शुरुआत होने पर अगली पीढ़ियां इसका लाभ उठाएंगी।

वैष्णव ने बताया कि भारतीय इंजीनियर उन्नत दो नैनोमीटर चिप डिजाइन पर काम कर रहे हैं। वैश्विक

सेमीकंडक्टर उद्योग को लगभग दस लाख अतिरिक्त कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी और भारत इस प्रतिभा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र बन सकता है। छात्रों को विश्वस्तरीय चिप डिजाइन उपकरण निशुल्क उपलब्ध कराए जाने की बात भी उन्होंने कही। इस अवसर पर बोलते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इसे वैश्विक प्रौद्योगिकी व्यवस्था में एक निर्णायक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि भारत का संकल्प और आत्मनिर्भर मार्ग चुनने की इच्छा इस साझेदारी को विशिष्ट बनाती है। व्यापार समझौते से लेकर रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग तक दोनों देशों के बीच असीम संभावनाएं हैं। अमेरिका के आर्थिक मामलों के उप सचिव जैकब हेलबर्ग ने इसे भू राजनीतिक संदर्भ में रखा। उन्होंने कहा कि यह पहल हथियारबंद निर्भरता और दबाव आधारित आपूर्ति श्रृंखलाओं को अस्वीकार करने का संदेश है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा की तरह देखा जाना चाहिए। हम आपको बता दें कि घोषणा पत्र में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन जैसे देशों के हस्ताक्षर हैं। कनाडा, नीदरलैंड, यूरोपीय संघ, ओईसीडी और ताइवान जैसे प्रतिभागी भी इस ढांचे से जुड़े हैं। यह पहल खनिज उत्खनन से लेकर चिप निर्माण और एआई तैनाती तक पूरी प्रौद्योगिकी श्रृंखला को सुरक्षित करने की परिकल्पना करती है।

हाल में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौता भी संपन्न हुआ, जिसने पुराने मतभेदों को दूर कर आर्थिक एकीकरण की आधारशिला रखी। इससे पहले भारत ने वाशिंगटन में आयोजित क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल में भाग लेते हुए आपूर्ति श्रृंखलाओं में जोखिम कम करने और अत्यधिक केंद्रीकरण से बचने पर जोर दिया था। देखा जाए तो भारत का पैक्स सिलिका से जुड़ना सामरिक दृष्टि से दूरगामी महत्व का कदम है। आज विश्व व्यवस्था में प्रौद्योगिकी शक्ति ही वास्तविक शक्ति का आधार बन रही है। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिजों पर नियंत्रण किसी भी राष्ट्र की आर्थिक और सैन्य क्षमता को प्रभावित करता है। चीन और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को खंडित किया है। ऐसे समय में भारत का एक भरोसेमंद, लोकतांत्रिक तकनीकी गठबंधन का हिस्सा बनना उसे रणनीतिक लाभ देता है। इससे भारत को उन्नत चिप निर्माण, डिजाइन क्षमता और एआई अनुसंधान में निवेश तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसर मिल सकते हैं। इसके सामरिक निहितार्थ भी स्पष्ट हैं क्योंकि रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रणालियों के लिए उन्नत चिप और एआई क्षमता अनिवार्य है। यदि भारत आपूर्ति श्रृंखला में विश्वसनीय भागीदार बनता है, तो उसे संवेदनशील प्रौद्योगिकी तक अधिक पहुंच मिल सकती है। इसके अलावा, महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण में विविधीकरण से चीन पर निर्भरता कम करने की पश्चिमी रणनीति में भारत की भूमिका मजबूत होगी। साथ ही, हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन के संदर्भ में यह साझेदारी भारत को आर्थिक और तकनीकी आधार प्रदान करेगी, जिससे वह अपने सामरिक हितों की रक्षा कर सके। आर्थिक सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ने की अमेरिकी सोच भारत के लिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक युद्ध और भू राजनीति में डिजिटल अवसंरचना और डेटा केंद्र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने पारंपरिक सैन्य साधन। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सेमीकंडक्टर निर्माण अत्यधिक पूंजी और तकनीकी परिशुद्धता मांगता है। यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य पाना है तो उसे नीतिगत स्थिरता, अनुसंधान निवेश और कौशल विकास पर निरंतर ध्यान देना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी एक ध्रुव पर अत्यधिक निर्भर न हो। बहरहाल, पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी एक अवसर है, जिससे वह 21वीं सदी की तकनीकी व्यवस्था में सक्रिय निर्माता की भूमिका निभा सकता है। यह कदम भारत को केवल बाजार नहीं, बल्कि मानक निर्धारक और आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में है। यदि इस पहल को दीर्घकालिक रणनीति और घरेलू सुधारों के साथ जोड़ा गया, तो आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक और सामरिक स्थिति कहीं अधिक सुदृढ़ हो सकती है।

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

संतोष कुमार पाठक

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट

में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है। विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पर्दाफाश कर रहा है। ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है।

दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग

के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है। समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है। आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है। सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

सही ड्रेस ही नहीं, सही ड्रेस सेंस भी है बहुत जरूरी

सही ड्रेस सेंस व्यक्तित्व को एक आकर्षक पहचान देता है। इससे आप इंटरव्यू, पार्टी-फंक्शन, मीटिंग, स्कूल, कॉलेज और दफ्तर में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कपड़े पहनने के साथ-साथ उन्हें स्टाइल देने का सेंस होना बेहद जरूरी है। इसलिए यह बात मायने रखती है कि आप जो पहन रहे रही हैं, उसे किस ढंग से पहन रहेरही हैं। यूं तो ड्रेस सेंस हर उम्र के लोगों के लिए मायने रखता है। लेकिन युवक-युवतियों के लिए यह कुछ ज्यादा ही अहमियत रखता है। दरअसल ड्रेस सेंस ऐसा होना चाहिए कि लोग देखें तो नजर ठहर सी जाए। इसके साथ ही उसे आपके कपड़े का चुनाव और उसे पहनने के खास अंदाज के लिए आपके प्रशंसा करनी पड़े। कपड़े व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ आप में आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। लिहाजा कपड़े का चुनाव पूरी तरह सोच-विचार कर करें। क्योंकि इस व्यवसायिक युग में आपके बारे में कोई भी धारणा आपके आउटफिट से ही लगाई जाती है।

अच्छी ड्रेस आपको हमेशा ताजा बनाए रखती है। इससे आपके अंदर हमेशा जोश और आत्मविश्वास का संचार होता रहता है। इंटरव्यू देना हो, किसी मीटिंग या जरूरी काम को अंजाम देना हो तो आपको उसके

लिए पहले से ही तैयारियां करनी पड़ती हैं। मसलन प्वाइंटस तैयार करना, सभी बातों की खबर रखना, पर इन सबके साथ-साथ आपका ड्रेस सेंस भी इसमें अहम भूमिका निभाता है। हालांकि किसी भी क्षेत्र में कामयाबी सतत मेहनत और लगन से मिलती है। लेकिन बेहतर और आकर्षक कपड़े का चुनाव जहां आपके फस्ट इंप्रेशन को मजबूत करता है वहीं आपकी सकारात्मक सोच में भी बढ़ोत्तरी करता है। दरअसल ड्रेस सेंस की महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है कि सिर्फ कीमती कपड़े पहनकर आकर्षक नहीं बना जा सकता। क्योंकि कपड़े का चयन करने से पहले शारीरिक बनावट और कद काठी का ध्यान रखना सबसे अहम होता है। कोई युवक-युवती चाहे जितना भी खूबसूरत हो, लेकिन यदि उसने अपनी कद-काठी के अनुसार, ड्रेस न पहना हो तो वह आकर्षक नहीं दिख सकते। लिहाजा आपके ड्रेस की डिजाइन कट और स्टाइल ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए। आमतौर पर जो लड़कियां या लड़के स्लिम-ट्रिम हैं उनके लिए तो सब चल जाता है। लेकिन जो मोटे या काफी डील-डौल वाले हैं, वे टी-शर्ट या हैवी वर्क वाले कपड़े तथा हाईनेक वाले कपड़े न पहनें। हाफ स्ट्राइप्सवाले आउटफिट पहनने से आपकी हाइट भी अच्छी लगेगी और स्लिमर लुक भी मिलेगा। राजस्थानी स्कर्ट को कुर्ते या टॉप के साथ पहनें। यदि वेस्टर्न ड्रेस पसंद है तो पौंचों और कुर्ते को जींस या स्लिम ट्राउजर के साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा पौंचों का इस्तेमाल स्कटर्स के साथ भी कर सकती हैं। आजकल नी लेंथ कॉफ लेंथ और एंकल लेंथ वाली स्कर्ट बेहद पसंद की जा रही है। कपड़े, खरीदते वक्त उनके रंगों का भी खास ध्यान रखें। आजकल गुलाबी, वाटरमेलन, नारंगी, मैटेलिक गोल्ड, लाल आइवरी फ्यूशिया और टरक्वॉय कलर्स काफी चलन में हैं।

घर और दफ्तर में बखूबी तालमेल स्थापित कर रही है नारी

एक वैश्विक दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव माना गया है। आज जब विश्व इक्कीसवीं सदी में जा रहा है और चारों तरफ परिवर्तनों, विकास की भाग-दौड़ मची है, ऐसे में सभी एक दूसरे से आगे निकलना चाह रहे हैं। सामाजिकता, पारिवारिकता व्यक्तिवाद में सिमटती जा रही है। इसमें मातृत्व शक्ति की भूमिका व स्थिति क्या है इस पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। यदि हम अपने चारों ओर देखें तो कल की चहार दीवारी के अन्दर की लज्जाशील, लम्बा घूंघट निकालने वाली महिला का स्थान आधुनिक और प्रत्येक क्षेत्र में कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने वाली नारी शक्ति ने ले लिया है। शिक्षा, चिकित्सा, इन्जीनियरिंग, सेना, खेल, व्यापार, नीति-निर्धारण, धर्म-साहित्य, राजनीति, प्रौद्योगिकी आदि प्रत्येक क्षेत्र में आज नारी को बढ़ता हुआ देखा जा सकता है। हमारे देश में ही विश्व की सबसे प्राचीनतम कृति वेदों मे कहा गया है- जो सृष्टि कर्त्ता की ओर से दुर्लभ उपहार है। माँ शक्ति, भक्ति व श्रद्धा की आराध्य हैं। दुनिया की सबसे बड़ी धरती है। प्रथम प्रणाम की अधिकारी है। माँ ममता की अनमोल दास्तान है। आधी से अधिक उसके पास शक्ति है। आधी तो स्वयं नारियां हैं और बच्चे जो उनकी छाया में पलते हैं। अब नारी चाहे जैसा अपनी सन्तान को बना सकती है। नारी को कितना महत्व दिया गया है हमारे वेदों में यह उपयुक्त पंक्तियों से स्पष्ट है। आज की महिला पुरुषों से पीछे नहीं है बल्कि कंधे से कंधा मिला कर देश की सुरक्षा और उन्नति में सहायक है। देश की सुरक्षा सबसे अहम होती है तो इस क्षेत्र में आखिर महिलाओं की भागीदारी को कम क्यों आंका जाए। देश की मिसाइल सुरक्षा की कड़ी में 5000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल का जिस महिला ने सफल परीक्षण कर पूरे विश्व मानचित्र पर भारत का नाम रौशन किया है, वह हैं टेसी थॉमस। डॉ. टेसी थॉमस को कुछ लोग मिसाइल वूमन कहते हैं, तो कई उन्हें अग्नि-पुत्री का खिताब देते हैं। टेसी थॉमस पहली भारतीय महिला हैं, जो देश की मिसाइल प्रोजेक्ट को संभाल रही हैं। टेसी थॉमस ने इस कामयाबी को यूं ही नहीं हासिल किया, बल्कि इसके लिए उन्होंने जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ा। भारत में महिलाओं की स्थिति को बदलने में कई महान महिलाओं (विजया लक्ष्मी पंडित, सरोजनी नायडू, एनी बेसेंट, महादेवी वर्मा, मदर टेरेसा, पीटी उषा, पद्मजा नायडू, कल्पना चावला, अरुणा आसफ अली, आदि) का हाथ है। भारत के एक प्रधानमंत्री के रूप में श्रीमती इंदिरा गाँधी के आने के बाद महिलाओं की स्थिति में बहुत सकारात्मक बदलाव आया था। वह दुनिया भर में प्रसिद्ध महिला थीं। उनके बाद भी कई महिलाओं ने भारत में प्रतिष्ठित पद हासिल कर साबित कर दिया कि महिलाएं पुरुषों के साथ साथ कार्य कर सकती हैं। महिलाओं की सुरक्षा के बारे में और अपराध को

कम करने के लिए, भारत सरकार ने किशोर न्याय (देखभाल और बच्चों की सुरक्षा) विधेयक, 2015 पारित कर दिया है। यह 2000 के पहले भारतीय बाल अपराध कानून की जगह आया है। इस विधेयक को विशेष रूप से निर्भया मामले के बाद लाया गया था। इसके अधिनियम के अनुसार, किशोर उम्र को जघन्य अपराधों के मामलों में 18 वर्ष से 16 वर्ष किया गया है। सेक्शन 15 के अंतर्गत 16-18 आयुवर्ग में जघन्य अपराध करने वाले किशोर अपराधियों से निपटने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। यह कानून बनने से बच्चों द्वारा किए जाने वाले बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी और पीड़ित के अधिकारों की रक्षा होगी। पूरे देश में समान नंबर 181 के साथ महिला हेल्पलाइन बनाने का प्रस्ताव है। यह हेल्पलाइन महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित किए जाने वाले वन स्टॉप सेंटर से जुड़ेगी। अभी तक 21 राज्यों को वित्तीय सहायता दी गई है और ये हेल्पलाइन चालू हो गई है। नारी की साहसिक यात्रा अपने आकाश के साथ स्वतंत्रता की सांस ले रही है। आज महिलाएं फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग साइटस पर अपनी बातें शेयर कर रही हैं। देश दुनिया की खबर रखती आज की नारी घर और दफ्तर में बखूबी तालमेल स्थापित कर रही है। समय के साथ खुद को अपडेट करती हुई अपनी बेटी को भी स्वावलंबी बना रही हैं। वर्तमान सदी चूँकि महिला सदी है, इसलिए महिलाओं को अपनी सार्थकता सिद्ध करनी है। नारी परिवार की धुरी है। उस पर ही परिवार की स्थिति-अवस्थिति का चक्र निर्भर करता है। उसको अपनी धुरी होने की सार्थकता दर्शानी है। अपने आधार होने को प्रमाणित करना है। कहा जाता है कि नारी से परिवार, परिवार से समाज और समाज से देश सशक्त बनता है। कार्य की सफलता के लिए भारतीय नारी सदैव ही आवश्यक मानी जाती रही है। मनुस्मृति तो कार्य की सफलता ही नारी की स्थिति पर निर्भर दिखलाती है- **यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते रमन्ते तत्र देवताः**

यत्र नार्युस्तु न पूजयन्ते तत्र सर्वा क्रिया अफलाः भवति।

अर्थात् जहाँ नारियों की पूजा होती है। देवता निवास करते हैं और जहाँ नारियों का अनादर होता है वहां सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं।

फैशनेबल और ट्रेंडी कुर्तियों से गर्मी को कहें बाय-बाय

गर्मियां आते ही ऐसे कपड़े पहनने की जरूरत महसूस होती है, जो इस मौसम के हिसाब से आरामदायक हो और देखने में भी फैशनेबल लगे। गर्मियों में कपड़ों को लेकर युवतियां काफी सजग रहती हैं। चिलचिलाती धूप में बाहर निकलना हो, तो ऐसे कपड़ों की चाह होती है जिससे आराम महसूस हो। आपकी थोड़ी सी सजगता आपकी ड्रेस को आरामदायक बना देगी। गर्मियों में कपड़े ऐसे होने चाहिए, जो आपको आराम दें और ठंडक का अहसास कराएं। सबसे बड़ी बात यह है कि कपड़े ऐसे हों जो आपका पसीना सोखें। शरीर से चिपके नहीं। गर्मियों में कॉटन की मांग सबसे ज्यादा होती है और युवतियों के लिए खास इस मौसम में कॉटन कुर्तियां पहली पसंद हैं। सिंथेटिक और गहरे रंग के कपड़े इस मौसम में कोई भी पसंद नहीं करता। कुर्तियां चाहे कॉटन के कपड़े में हो या शिफॉन में, यह आपको गर्मी में ट्रेंडी और कूल लुक देते हैं। कई युवतियां फूलों के प्रिंट की कुर्तियां पसंद करती हैं तो कई सिंपल।

अलग लुक में रहें कूल : अक्सर युवतियां जरूरत से ज्यादा ड्रेसअप होती हैं पर ऐसे मौसम में ज्यादा ड्रेसअप होने की जरूरत नहीं पड़ती। गर्मियों में ड्रेसअप का मतलब होता है सही और आरामदायक कपड़े। कई डिजाइनर यह मानते हैं कि गर्मियों में कपड़े हल्के रंग के और सही नाप के पहनने चाहिए। फैब इंडिया कॉटन कुर्तियां गर्मियों के लिए बेहतरीन विकल्प है और यह देखने में काफी अलग लगती हैं। इसे पहनने पर आपका लुक भी औरों से अलग दिखेगा। इस मौसम में कॉटन से बेहतर कोई और विकल्प नहीं। इसलिए इस मौसम में सिंथेटिक कपड़े और गहरे रंग से दूर रहें।

युवतियों में लोकप्रिय : गर्मियों में अगर रंगों की बात करें तो अक्सर लोग सफेद और हल्के रंग की कुर्तियां ज्यादा पसंद करते हैं। इस मौसम में सी-ग्रीन पीच और हल्के नीले रंग की कुर्तियां ज्यादा पसंद की जाती हैं। तरह-तरह की जींस, लेडिंगस, स्कर्ट, ट्राउजर और पैंट के साथ भी इसे आप पहन सकती हैं। कैप्री, सलवार, और धोती पैंट के साथ भी कुर्ती बहुत फबती है। कुर्ती की बेहतरीन लुक इस बात पर भी निर्भर करती है कि आपने अपनी कुर्ती को कैसे कपड़े के साथ मैच कर पहना है और आपकी एक्सेसरीज कैसी है। कॉटन कुर्ती के साथ अगर आप साधारण नेकपीस पहनेंगी तो बेहतरीन लुक आएगा।

फैशन और डिजाइन हैं कई : बाजार कुर्तियों से भरा पड़ा है यह आप पर निर्भर है कि आप कैसी कुर्ती खरीदना या पहनना पसंद करती हैं। तरह-तरह के डिजाइन में मिलने वाली यह कूल कुर्तियां आजकल की युवतियों की पहली पसंद हैं। आप इसे तरह-तरह के फैब्रिक में खरीद सकती हैं जैसे जार्जट, क्रेप, लिनेन, सिल्क, सैटीन। मगर बात जब कॉटन कुर्ती की आती है तो इसकी लोकप्रियता सबसे ऊपर है। आप चाहें तो डिजाइनर कुर्ती भी खरीद सकती हैं, जिस पर विभिन्न तरह की कारीगरी और ब्लाक प्रिंट की सजावट की जाती है। इस कारण यह कुर्तियां हर प्रयोजन में इस्तेमाल की जाती हैं। कॉटन कुर्तियां फार्मल और कैजुअल हर तरह से पहनी जाती हैं।

महंगी नहीं मनभावन कुर्तियां : पहले जहां गर्मियों में युवतियां सिर्फ कॉटन सलवार-कमीज को ही कूल कपड़े मानती थीं, वहीं आज काफी बदलाव आ गया है। बाजार फैशनेबल और ट्रेंडी कुर्तियों से भरा पड़ा है। आप चाहे बाजार से खरीदें या ऑनलाइन शॉपिंग करें। कुर्तियों की शुरुआत डेढ़ सौ रुपये से होकर ढाई हजार रुपए तक जाती है। तो इन गर्मियों में वार्डरोब से साधारण सलवार-कमीज को करिए अलविदा और फैशनेबल और आरामदायक कुर्तियों से गर्मी दूर भगाइए।

फैशन डिजाइनर बता रही हैं कौन सी टी-शर्ट है बेहतर

लड़कियों के पहनावे में उनके पास ढेरों ऑप्शन हैं लेकिन जब बात लड़कों की हो तो उनके लिए ऑल टाइम फेवरेट टी-शर्ट ही है। कॉलेज जाना हो या जांगिंग, या फिर ऑफिस, हर जगह उन्हें टी-शर्ट ही भाता है। लड़कों की इसी पंसद को देखते हुए ही बाजार में तरह-तरह की कलरफुल टी-शटर्स की बहार छा गई है। कूल लुक देने वाली इन टी-शटर्स की अलग-अलग वैरायटी मौजूद हैं। फैशन डिजाइनर कनिका सेठ बता रही हैं इन्हीं टी-शटर्स के बारे में- **प्लेन टी-शटर्स :** प्लेन टी-शटर्स में नेक स्टाइल और रंग आप अपनी पंसद के हिसाब से चुन सकते हैं। नेक स्टाइल की बात करें तो इन टी-शटर्स में वी नेक, राउंड नेक, चाइनीज कॉलर नेक, बोट नेक और ट्यूब नेक आदि ज्यादा चलन में हैं। इन टी-शटर्स की खास बात यह है कि इनके साथ आप पसंद की ऐससेरीज भी पहन सकते हैं। इसमें सिर्फ रंग देख कर मिक्स और मैच करने की जरूरत होती हैं। विभिन्न ब्रांडेड शोरूम व मार्केट में दो-तीन प्लेन टी-शटर्स के पैक भी मिलते हैं जो डिजाइनर टी-शटर्स के मुकाबले बेहद किफायती हैं। **प्रिंटेड टी-शटर्स :** अगर प्रिंटेड टी-शटर्स की बात की जाए तो इसके नए कलेक्शन की तो 3डी प्रिंट की काफी डिजाइनर टी-शटर्स बाजार में देखने को मिल रही हैं। वहीं फ्लावर प्रिंट, एनिमल प्रिंट और डिजिटल प्रिंट भी युवाओं को खूब पसंद आ रहा है। **टी-शटर्स विद स्लोगन :** हर साल की तरह इस साल भी स्लोगन वाली टी-शर्टस सभी को खूब पसंद आ रही है। इनमें कैची स्लोगन वाली टी-शटर्स का कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। इनमें भी चटख रंग खासा पसंद किए जा रहे हैं। इसमें लांग व शॉर्ट टीज की नई कलेक्शन यूथ को खूब भा रही है। साथ ही कटाक्ष भरे स्लोगन वाली टी-शर्टस की भी बाजार में अच्छी-खासी धूम है। इस प्रकार की टी-शटर्स रणबीर कपूर, सोहेल खान, सलमान खान जैसे बॉलीवुड स्टार्स की भी हमेशा से पहली पसंद रही हैं। **कार्टून कैरेक्टर वाली टी-शर्ट :** कार्टून कैरेक्टर वाली टी-शर्ट आज सिर्फ बच्चों को ही नहीं, बल्कि यूथ के दिल को भी काफी लुभा रही है। मिकी माउस से लेकर डॉनल्ड डक और डोरेमॉन वाली टी-शर्ट लड़के-लड़कियां खूब पसंद कर रहे हैं। पार्टी से लेकर कॉलेज तक इन्हें पहने हुए युवा आसानी से दिखाई दे जाते हैं। मार्केट में लड़कियों के लिए जहां सफेद, पिंक, रेड, ब्लैक आदि कई रंगों में मिकी-डॉनल्ड, पॉपई, डोरेमॉन आदि की टी-शर्ट हैं वहीं लड़कों को सफेद, काली, ग्रीन, ब्लू आदि रंग काफी पसंद आ रहे हैं। **डबल टीशर्ट :** डबल टीशर्ट का भी युवाओं में इन दिनों खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। इस ट्रेंड के तहत दो अलग-अलग टीशर्ट पहनी जाती हैं। इनमें एक टी-शर्ट पूरी बाजू व कॉलर की होती है जबकि एक आधी बाजू की। पूरी बाजू की कॉलर वाली टी-शर्ट नीचे पहनी जाती है जबकि आधी बाजू की गोल गले वाली टी-शर्ट उपर पहनी जाती है। पहले इसी प्रकार की एक टी-शर्ट आती थी जिसमें कॉलर और बाजू अलग रंग के होते थे। उसे देखकर लगता था कि जैसे दो टीशर्ट पहनी हुई हैं। लेकिन अब यूथ स्टाइल से किसी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहते हैं इसलिए अब वे दो टी-शर्ट पहनने लगे हैं। **रंगों की भरमार :** टी-शर्टस की बढ़ती डिमांड को देखते हुए विभिन्न ब्रांड ने बहुत से रंगों में इसके कलेक्शन बाजार में उतारे हैं। इनमें पर्पल, रेड, यलो, ब्लैक व सफेद सभी के फेवरेट हैं। **दाम में कम, स्टाइल हरदम :** कई ब्रांडेड और रिटेल आउटलेटस पर दो या तीन टी-शर्टस का पैक मिलता है। इसमें मौजूद टी-शर्टस प्रायः प्लेन होती हैं, बस उनके रंग अलग होते हैं। ये पैक लगभग 400 रूपए की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध हैं।

जॉब इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं? बचें यह गलतियां करने से...

कॉम्पिटशिन के युग में केवल वही व्यक्ति सफलता प्राप्त कर पाता है, जो काबिल होने के साथ-साथ उसे अच्छी तरह पेश करने की क्षमता भी रखता हो। अक्सर देखने में आता है कि कुछ व्यक्ति काबिल तो होते हैं, लेकिन अपनी काबिलियत को लोगों के सामने सही तरह से पेश नहीं कर पाते। जिससे उन्हें असफलता का सामना भी करना पड़ता है। खासतौर से, साक्षात्कार के दौरान अक्सर लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसके कारण हाथ आई हुई नौकरी को भी उन्हें गंवाना पड़ता है। आपको हार का मुंह न देखना पड़े, इसके लिए जॉब इंटरव्यू के दौरान न करें ये गलतियां-

गलत ड्रेसिंग : जब भी आप इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपनी ड्रेसिंग का खास ख्याल रखें। आपने वह कहावत तो सुनी ही होगी कि फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन। इसलिए साक्षात्कार के लिए जाते समय यह ध्यान रखें कि आपका ड्रेसअप एकदम प्रोफेशनल हो। उदाहरण के तौर पर, अगर आप स्कर्ट पहन रही हैं तो वह बहुत अधिक छोटी न हो, इसके आपके व्यक्तित्व के बारे में सामने वाला व्यक्ति गलत राय कायम कर लेता है। ठीक इसी तरह, आपके जूते आदि भी अच्छी तरह पॉलिश होनी चाहिए। **लेट पहुंचना :** वैसे तो आमतौर पर लोग इंटरव्यू के लिए देर से नहीं पहुंचते लेकिन रास्ते में जाम या किसी काम में फंस जाने के कारण आप लेट न हों, इसलिए समय से पहले ही इंटरव्यू के लिए निकल जाएं। अगर आपको थोड़ी भी देर होगी तो आपका गलत इंप्रेशन पड़ेगा। साथ ही इससे यह भी समझ आएगा कि आप टाइम मैनेजमेंट के मामले में काफी पीछे हैं। हो सकता है कि आपको नौकरी मिलने से पहले ही उसे गंवाना पड़े। इसलिए समय पर पहुंचना बहुत जरूरी है। **फोन का इस्तेमाल :** इंटरव्यू के लिए

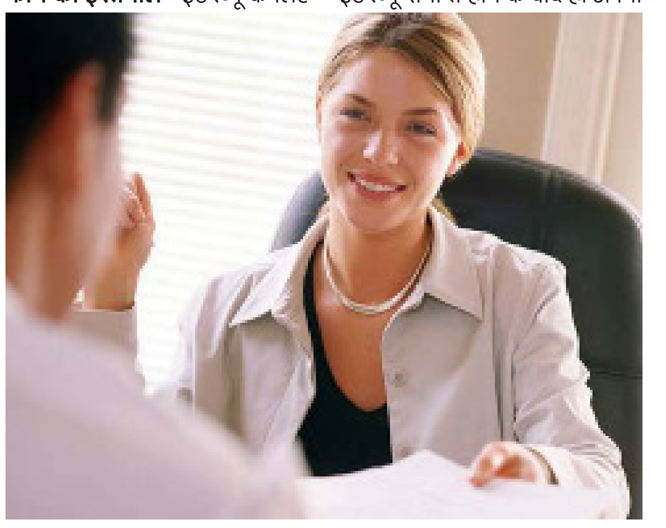

केबिन में जाने से पहले ही अपने फोन को साइलेंट या स्विच ऑफ कर दें। अगर कोई मैसेज आता भी है तो उसका रिप्लाई करने मत लग जाइएगा। बेहतर होगा कि आप फोन को अपने बैग या पर्स में रख दें तथा इंटरव्यू समाप्त होने के बाद ही अपना फोन चैक करें। **कंपनी के बारे में जानकारी :** आप जिस भी कंपनी में इंटरव्यू देने जाएं तो सबसे पहले उसके बारे में पूरी तरह से रिसर्च अवश्य करें। आपको कंपनी व उसकी यूएसपी के बारे में पता होना चाहिए। अक्सर इंटरव्यू के दौरान यह सवाल पूछा जाता है कि आप इस कंपनी को क्यों ज्वॉइन करना चाहते हैं या फिर आपने पहले वाली नौकरी क्यों छोड़ी। इन सवालों के जवाब आप तभी बेहतर तरीके से दे पाएंगे, जब आपको कंपनी के बारे में पर्याप्त जानकारी होगी। **पर्याप्त ध्यान :** अगर यह आपका पहला इंटरव्यू है तो आपका घबराना या नर्वस होना लाजमी है। लेकिन इससे इंटरव्यू के दौरान अपने ध्यान को भटकने न दें। साथ ही इंटरव्यू के दौरान अपने बॉडी लैंग्वेज व आई कॉन्टेक्ट को भी बनाएं रखें। आपका सही बॉडी पॉश्चर आपको सफलता दिलाने में काफी मदद करेगा। **बहुत अधिक बोलना :** कभी-कभी ऐसा होता है कि अपना बखान करने के चक्कर में आप बहुत अधिक बोलते हैं। यह पैनल पर बैठे लोगों को पसंद नहीं आता। इसलिए अपना पॉजिटिव इंप्रेशन देने के लिए सिर्फ उतना ही बोलें, जितना आपसे पूछा जाए। आपका जवाब एकदम सटीक व कम शब्दों में होना चाहिए। **आत्मविश्वास की कमी :** हो सकता है कि आप जिस पोस्ट के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, उसमें आप एकदम फिट बैठते हों लेकिन आपके भीतर आत्मविश्वास की कमी आपके लिए हानिकारक हो सकती है। आपसे जो भी सवाल पूछा जाए, उसका जवाब बेहद आत्मविश्वास के साथ दें। अगर आपके जवाबों में कोई कमी होगी भी, तो आपका आत्मविश्वास उस रिक्त स्थान को आसानी से भर देगा। साथ ही इस बात का ध्यान भी रखें कि अगर आपसे आपकी पिछली नौकरी के बारे में पूछा जाए तो उसका जवाब देने से हिचकें नहीं। उसी आत्मविश्वास के साथ बात करें। अगर आप वहां के बारे में झूठ बोलेंगे या हड़बड़ाएंगे तो सामने वाला व्यक्ति इसे आसानी से भांप जाएगा और यही बात आपके खिलाफ भी जा सकती है।

योग के 7 आसन जो आपको बनाए रखेंगे

योग कई तरह से शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। सेहतमंद बनाए रखने के साथ ही योग के जरिए आप अपने सौंदर्य और खूबसूरती को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही सात आसन जो अपके शरीर को जवां बनाए रखने में मदद करेंगे। साथ ही आपके चेहरे के निखार को बढ़ा देंगे। **शेर की तरह चेहरा (सिंहासन) :-** धीरे-धीरे सांस लें और उसे थोड़ी देर तक रोककर रखें। फिर आप अपने जीभ को बाहर निकाले। अपनी आखों को पूरी तरह से जितना हो सकें खोलें। इस अवस्था में बैठे रहे और जितना हो सकें अपनी जीभ को मुंह से बाहर निकालें। यह आपके शरीर में रक्त संचार बढ़ाता है। साथ ही इससे मांसपेशियों का तनाव भी खत्म होता है। सिर्फ 25 मिनट करें ये योग, दिमाग होगा दुरुस्त और बढ़ जाएगा एनर्जी लेवल। **मछली की तरह चेहरा (मत्सय आसन) :-** इस आसन में शरीर का आकार मछली जैसा बनता है, इसलिए यह मत्स्यासन कहलाता है। इस आसन को करने के लिए आप लंबी सांस लें। इसे थोड़ी देर तक रोक कर रखे। पहले पद्मासन लगाकर बैठ जाएं। फिर हाथों की सहायता से उठकर बैठ जाएँ। आसन करते वक्त श्वास-प्रश्वास की गति सामान्य बनाए रखें।

इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है। गला साफ रहता है तथा छाती और पेट के रोग दूर होते हैं।

आंखों से कसरत (नेत्रासन) :- गहरी सांस लें और अपनी गर्दन को सीधा रखें। अपनी आखों को बायी तरफ घुमाएं। इस अवस्था में कुछ देर तक रहने की कोशिश करें। कुछ सेकेंड के बाद अपनी आंखों को दायी तरफ घुमाएं। इस प्रक्रियो को दोहराते रहे। आंखों की पुतलियों उस अमुक दिशा में पूरी तरह घूमनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखें।

गाल से योग :- मुंह में जितना हो सकें हवा भर लें। फिर उसे कुछ देर तक रोकें। आपका गाल पूरी तरह फूल जाएगा क्योंकि उसमें हवा भरा हुआ है। इस अवस्था में 30 से 60 सेकेंड तक रहें। फिर मुंह में जमा सांसों को नाक के जरिए छोड़ दें। **हथेलियों से योग :-** अपनी हथेलियों को रगड़कर उन्हें गर्मी प्रदान करें। फिर आंखों को बंद करें और उन्हें अपनी हथिलियों से ढक लें। फिर अपनी नाक के दोनों नथुनों से सांस लें। जितनी देर तक रोक सकते हो रोकें। इससे आपकी आखों को आराम मिलेगा। आप खुद को रिलैक्स महसूस करेंगे। आपकी मांसपेशियों का तनाव दूर होगा। इस बात का ध्यान रखें कि गर्म हथेलियों से चेहरे को पूरी तरह ढकें। **गर्दन से वर्जिश :-** आप बिल्कुल सीधी अवस्था में बैठ जाएं। आपकी रीढ़ की हड्डियों बिल्कुल सीधी होनी चाहिए। अपनी हाथों को सीधा कर लें। फिर धीरे से हाथों को मोड़े। फिर उसके बाद उसे सीधा करें। इससे आपको गर्दन के दर्द से छुटकारा मिलेगा। आपको गर्दन की मांसपेशियों में आराम मिलेगा। गर्दन को बिल्कुल सीधी रखें। **होठों से योग :-** गहरी सांस लें। अपनी आंखों को बंद कर लें। अपने होठों को जितना संभव हो सकें सख्त करके बंद कर ले। फिर अपने चेहरे को सख्त कर लें। आप इस प्रकार करने की कोशिश करें जैसे आप खुद को रोने से रोकने की कोशिश कर रहे है। फिर अपने चेहरे को ढीला कर ले। जितनी देर रह सकें रहे रहे।

साईं हॉस्पिटल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में लैंप लाइटिंग ओथ टेकिंग सेरेमनी का आयोजन

सोनभद्र। बुधवार को साईं हॉस्पिटल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सजौर, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में लैंप लाइटिंग ओथ टेकिंग सेरेमनी बीएससी नर्सिंग 7th, जीएनएम 14th, एनएम 12th बैच सेरेमनी मन और ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सोनभद्र जिले की मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती पूजन वंदन के साथ किया गया। कॉलेज की प्रबंधक डॉक्टर अनुपमा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि लैंप लाइटिंग सेरेमनी नर्सिंग के छात्र/छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो उन्हें नर्सिंग पेशे में सेवा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है। प्रिंसिपल डी०एल०एस सुहासिनी ने कहा कि नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की याद में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र/छात्रा मोमबत्ती/दीपक लेकर नर्सिंग पेशे में सेवा का संकल्प लेते हैं। यह कार्यक्रम ज्ञान, करुणा, और मानवता की सेवा का प्रतीक है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं ने लैंप लाइटिंग (दीप प्रज्ज्वलन) समारोह में भाग लिया और नर्सिंग पेशे में सेवा का संकल्प लिया। इसके बाद, सभी शिक्षकगण द्वारा छात्र/छात्रा व अन्य सभी द्वारा शपथ लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के अंत में, मुख्य अतिथि जागृति अवस्थी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि नर्सिंग पेशे में सेवा करना एक महान कार्य है, जो समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।इस मौके पर प्रबंध निदेशक - डॉक्टर वि० सिंह, अंजनी विक्रम सिंह, अजय सिंह, राजेश कुमार,राजन सोनी,दिव्यांशी बोस, रागिनी श्रीवास्तव, आशुतोष मिश्रा आदि लोग मौजूद रहें।

घुवास खुर्द के श्लोक ने जेईई मेन उत्तीर्ण कर जनपद का बढ़ाया मान

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के घुवास खुर्द निवासी श्लोक यादव ने प्रतिष्ठित जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन - मेन (संयुक्त प्रवेश परीक्षा-मेन, जेईई मेन) उत्तीर्ण कर परिवार एवं जनपद का नाम रोशन किया है। श्लोक पूर्व में डीएवी विद्यालय का छात्र रहा है। कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद वह इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के उद्देश्य से राजस्थान के कोटा नगर गया था, जहाँ उसने कठिन परिश्रम, अनुशासन और एकाग्रता के साथ अध्ययन किया। उसकी सफलता उसकी निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त प्रवेश परीक्षा-मेन में सफलता प्राप्त करना श्लोक की प्रतिभा, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय का परिचायक है। उसकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उसे शुभकामनाएँ देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एम.वी.एम. पब्लिक स्कूल में फाइनल क्विज प्रतियोगिता 2025-26 का सफल आयोजन

सोनभद्र। माँ वैष्णों मॉडर्न पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 की फाइनल क्विज प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जूनियर एवं सीनियर वर्ग की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय परिसर में ज्ञान, प्रतिस्पर्धा एवं उत्साह का सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। जूनियर वर्ग में टीम ए, बी, सी एवं डी ने भाग लिया। कड़े मुकाबले के बाद टीम ए ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ए के सदस्य आयांश सिंह, इशिका सिंह, पंखुड़ी एवं श्रेया रहे। द्वितीय स्थान टीम डी ने प्राप्त किया, जिसमें अनुष्का, गौरव पति त्रिपाठी, शौर्य पटेल एवं कुशाग्र पटेल शामिल रहे। सीनियर वर्ग में भी टीम ए, बी, सी एवं डी के मध्य रोचक प्रतिस्पर्धा हुई। प्रथम स्थान टीम डी ने अर्जित किया। टीम डी के सदस्य नब्या कुमारी, गौरव सिंह, आलोक कुशवाहा, यश चौबे एवं अनुष्का मौर्य रहे। द्वितीय स्थान टीम बी को प्राप्त हुआ, जिसमें आयुष सिंह, आरुही पटेल,

रितिका सिंह, अदिति पांडेय एवं अदिजी जैन सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संजय पांडेय द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया। आयोजन में अवधेश चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, कृष्णानंद मिश्रा, अमित पटेल एवं प्रिया श्रीवास्तव का सराहनीय सहयोग रहा। विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ करती हैं। क्लस्टर प्राचार्य श्रवण कुमार पांडेय ने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्यदेव कुमार श्रीवास्तव एवं विजय कुमार द्विवेदी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ज्ञान ही सफलता का आधार है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओम प्रकाश त्रिपाठी, राजेंद्र त्रिपाठी, जे. एन. त्रिपाठी एवं एस. एन. द्विवेदी ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में सभी विजेता एवं प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मोटे अनाज और परंपरागत बीजों का सरंक्षण जरूरी -जगत नारायण विश्वकर्मा

संविधान यात्रा में संस्कृति और भाषा पर चर्चा

म्योरपुर (सोनभद्र)। दुद्धी विकास खंड के ग्राम पंचायत बघाडू के मझियान टोला में बुधवार को बनवासी सेवा आश्रम के आयोजन में सामाजिक कार्यकर्ताओं का संविधान यात्रा पहुंचा। अमृत लाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन कर संविधान प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्य को लेकर चर्चा की गई। अपने संबोधन में पर्यावरण कार्यकर्ता जगत नारायण विश्वकर्मा, राकेश कुमार, चंद्रावती, मनोज कुमार यादव ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में संस्कृति, और परंपराएं एक साजिश के तहत बदला जा रहा है जिसे हम परिवर्तन मान रहे है। असल में यह स्वाभाविक प्रक्रिया न होकर साजिश का हिस्सा है। हम खुद की भाषा और खान पान को गंवारो की भाषा समझने लगे है। और बोलने में हिचकते है। इसी तरह मोटे अनाज को भोजन का हिस्सा मानने से इनकार करने लगे है। सावा, मेडो, कोदो, मिझरी, मडूआ को नजरअंदाज करने लगे है। अब मोटे अनाज शहर के लोगों के भोजन का हिस्सा बन गया है। इसका मतलब है मोटे अनाज फायदेमंद है। कहा कि आज हमारे पास साग सब्जी, और दलहन के बीज नहीं रह गए मतलब हम कंपनियों के गुलाम हो रहे है। जब खुद के पास बीज नहीं होंगे तो मनमाना दाम पर बीज खरीदना मजबूरी हो जाएगा। राम अवध ने कहा कि हम भारत के नागरिकों के लिए संविधान लिखा गया है हम उसी के आधार पर समता मूलक समाज वादी सोच पर देश का विकास चाहते है लेनिन नियम के साथ कर्तव्य भी संविधान का अहम हिस्सा है। सभी ने संकल्प लिया कि वे जाति धर्म में उलझने के बजाय सामाजिक निर्माण में योगदान करेंगे। स्त्री, पुरुष में भेद नहीं करेंगे। गांव में एक भी बाल विवाह नहीं होगा।

मातृ भूमि सेवा मिशन द्वारा दैनिक निःशुल्क योग शिविर संचालित

प्रशिक्षक अनूप शर्मा ने कराए विविध योगासन,स्वस्थ समाज राष्ट्र निर्माण की दिशा में सार्थक पहल : प्रदीप पांडेय

रायबरेली। मातृ भूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली परिवार की ओर से प्रतिदिन संचालित किए जा रहे निःशुल्क योग शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता देखी जा रही है। मिशन की यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने का संदेश दे रही है।शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए प्रदीप पांडेय ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जनसामान्य को नियमित योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को संतुलित एवं ऊर्जावान बनाए रख सकता है। योग प्रशिक्षक अनूप शर्मा ने प्रतिभागियों को प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ध्यान एवं विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक महत्व को समझाते हुए बताया कि

नियमित अभ्यास से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से भी मुक्ति मिलती है। शिविर में उपस्थित लोगों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर से जुड़कर स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।शहीद स्मारक में दैनिक निशुल्क योग शिविर आयोजित रायबरेली के ऐतिहासिक शहीद स्मारक प्रांगण में मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली द्वारा संचालित दैनिक निशुल्क योग शिविर बुधवार 18 फरवरी को प्रातः 6:15 से 7:30 बजे तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

योग प्रशिक्षक अनुज शर्मा द्वारा शिविर में ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, वज्रासन एवं शवासन का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि ताड़ासन से शरीर में संतुलन और मजबूती आती है, वृक्षासन से एकाग्रता बढ़ती है, त्रिकोणासन कमर और रीढ़ को सुदृढ़ करता है, भुजंगासन पीठ व फेफड़ों के लिए लाभकारी है, पवनमुक्तासन पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है, वज्रासन भोजन के बाद विशेष लाभ देता है तथा शवासन मानसिक तनाव को दूर कर शरीर को पूर्ण विश्राम प्रदान करता है। साथ ही प्राणायाम के माध्यम से श्वसन तंत्र को मजबूत करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि योग स्वस्थ और संतुलित जीवन की आधारशिला है। नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनता है। वहीं मातृभूमि सेवा मिशन के सचिव राकेश यादव ने नागरिकों से प्रतिदिन योग शिविर में सहभागिता करने और मिशन के पुनीत सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।योग शिविर में रंजीत, अनूप, संदीप, पूनम, रश्मि पाण्डेय, शिवचंद पाण्डेय, गुड़िया, कैलाश, सुमन, दिनेश पाण्डेय एवं राम मिलन, ईसा, प्रिंसी सहित अन्य योग साधक उपस्थित रहे।

भसुर ने भयव पर किया प्राण घाटक हमला घायल, पुलिस ने नहीं लिया सज्ञान

घोरावल कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 का मामला

घोरावल,सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 मे पारिवारिक कलह को लेकर भसुर द्वारा भयव के ऊपर किया गया प्राण घातक हमला पीड़िता अस्पताल में भर्ती, पीड़ितों ने थाने में दी तहरीर नहीं हुआ मामला दर्ज ना ही क़ोई सुनवाई। पीड़िता गीता देबी ने बताया की मंगलवार की सुबह मेरे परिवार के सदस्यों द्वारा अचानक गली क्लोज देते हुए दरवाजे पर आ गए यह देख सुनकर गली क्यों दे रहे हैं मना करने गए तो विपक्षी द्वारा अन्य लोगों के साथ मिलकर मुझे मारने पीटने लगे वहीं इसका बीच बचाव करने आए मेरे देवर को भी मार पीटे पीड़िता भयव ने बताया की मामले में संबंधित थाने पर जाकर एप्लीकेशन देकर न्याय की गुहार लगाई गई लेकिन अभी तक विपक्षियों के ऊपर ना कोई कार्रवाई हुई ना ही पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया, उधर पीड़िता ने बताया कि मेरे भसुर चिल्ला चिल्ला के कर रहे हैं कि मैं बहुत बड़ा नेता हूं तुम मेरा कुछ नहीं कर सकती सबको मैं देख लूंगा। उधर इस मामले में घोरावल क्षेत्राधिकार राहुल पांडेय ने बताया कि संबंधित मामले में थाना प्रभारी को निर्देशित कर समुचित कार्रवाई करने को निर्देश किया गया हैं।

प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री भिखारी बाबा आश्रम पहुंचे, लिया आशीर्वाद

भगवान शंकर का पूजन-अर्चन कर गौशाला में गौ माता को गुड़ खिलाया - आश्रम के संचालन में हर संभव दिया जाएगा सहयोगः संजय गौंड़ - भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से मंत्री जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम पर शिवरात्रि की रात्रि में प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री संजय गौड़ जा पहुंचे और बाबा का आशीर्वाद लिया। इसके अलावा भगवान शंकर का पूजन- अर्चन किया और गौशाला में जाकर गौ माता को गुड़ खिलाया। भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से मंत्री जी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंत्री जी ने आश्रम की सराहना करते हुए संचालन में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। भिखारी बाबा ने बताया कि मंत्री जी की आश्रम पर आने की इच्छा बहुत दिनों से थी। जब प्रभु का बुलावा आया तो

शिवरात्रि के अवसर पर मंत्री जी का आगमन आश्रम पर हुआ। उन्होंने भगवान शंकर का पूजन-अर्चन किया, उसके बाद आश्रम के गौशाला में जाकर गौ माता को गुड़ खिलाया। मंत्री जी ने आश्रम की सराहना करते हुए कहा कि आश्रम के संचालन में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मंत्री जी का भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के द्वारा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इसके अलावा साथ में पहुंचे इंजीनियर रमेश पटेल व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल का भी अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया।

इस मौके पर वरिष्ठ समाज सेवी विशाल मौर्या, रामबाबू मोदनवाल, अरविंद उमर बैस, परमानंद महराज, सूरज जी महराज,इंद्रपती पांडे जी महराज, शुखराम जी महराज, भिखारी बाबा आश्रम की उत्तराधिकारी साध्वी कृष्णावती, विनीता गुप्ता, मधु उमर बैस, आकाश केसरी, देव उमर बैस, सोनू जायसवाल, सविता मिश्रा, कलावती चौबे, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या आदि मौजूद रही।

बौद्ध भिक्षु भंते दीपांकर ने सम्पन्न कराया बौद्ध पद्धति से शादी समारोह

आधुनिक समाचार

अमेठी। सोलह फरवरी को बौद्ध भिक्षु भंते दीपांकर लखनऊ ने अमेठी में राममिलन शर्मा की पुत्री कु0 नमन शर्मा की हरीश शर्मा पुत्र सूर्य कुमार शर्मा व श्रीमती मिथिलेश निवासी विशुनदासपुर गौरीगंज की शादी बौद्ध पद्धति से सम्पन्न कराया। इस अवसर पर उनके सहयोगी के रूप में एक और सहयोगी सीतापुर के भंते भी रहे। इस कार्यक्रम में इन दोनों पक्षों के तमाम नाते-रिश्तेदार मित्रगण और शुभेक्षु मौजूद रहे। श्रीमती विमला पवन कुमार शर्मा, बच्चा राम वर्मा, विवेक शर्मा, घनश्याम शर्मा, द्रव्य उदयराज शर्मा, राजमणि शर्मा, अशोक शर्मा व के.पी. सविता बौद्ध आदि ने वर वधू को शुभाशीष प्रदान किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला सम्पन्न

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर 7 मार्च से 14 अप्रैल तक आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी अनिल सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल उपस्थित रहे।

कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री एवं प्रशिक्षण अभियान के जिला संयोजक रामसुन्दर निषाद ने किया। इस अवसर पर पार्टी के नवाचार पंचपरिवर्तन, आगामी कार्यक्रमों और करणीय कार्यो की जानकारी दी गयी।

मुख्य अतिथि अनिल सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण तरासने की प्रक्रिया है, जो सीखता है वह बढ़ता है, जो सीखना बंद कर देता है वो बढ़ना भी बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा आज भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यशाला में उपस्थित अन्य प्रमुख नेताओं में उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग जीत सिंह खरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, नि0 जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा, प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा नागेश्वर गोंड, प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक रामसुन्दर निषाद, ओमप्रकाश दूबे, कमलेश चौबे, ब्लॉक प्रमुख नगवां आलोक सिंह, अजीत रावत, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या, रंजना सिंह, ई रमेश पटेल, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, विशाल पाण्डेय, पुष्पा सिंह, यादवेन्द्र द्विवेदी, अमरेश चेरो, सरजू बैसवार, दिलिप चौबे, विनय श्रीवास्तव, सहित सभी मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी व प्रकोष्ठ के जिला संयोजक आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर दिए त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश'

चिन्ता पान्डेय

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण धैर्य के साथ सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित नागरिकों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर

धोखाधड़ी, राजस्व एवं आपसी विवादों सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने प्रत्येक प्रकरण को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों पर गुणवत्ता पूर्ण जांच करते हुए पीड़ित पक्ष को संतोषजनक कार्यवाही से अवगत कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही, विलंब या अनावश्यक उत्पीड़न कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिन प्रकरणों में त्वरित हस्तक्षेप अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया कि जनता दर्शन केवल शिकायत सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत करने का एक सशक्त मंच है। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस महानिरीक्षक ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक, दिए दिशा निर्देश

सोनभद्र। मगलवार को आर. पी. सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विंध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर के जनपद सोनभद्र आगमन पर पुलिस लाइन चुर्क में उन्हें सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गई, जिसे महोदय ने स्वीकार करते हुए गार्द का अभिवादन किया। तत्पश्चात प्रशासनिक भवन, पुलिस लाइन चुर्क में आगामी होली/रमजान, बोर्ड परीक्षा, अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, बजट व्यय, यक्ष एप के प्रभावी उपयोग एवं साइबर अपराध की रोकथाम के संबंध में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा सहित समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक, एलआईयू एवं समस्त शाखा प्रभारीगण उपस्थित रहे। बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्देश प्रदान किए गए-- होली एवं रमजान माह की तैयारी के लिए संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी क्षेत्रों की पहचान कर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश।- शांति समिति की बैठकें आयोजित कर पुलिस-जन संवाद सुदृढ़ करने पर बल।- सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को सक्रिय रखते हुए अफवाहों/भ्रामक सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश।- पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, फुट पेट्रोलिंग, बाइक पेट्रोलिंग एवं रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश।- बोर्ड परीक्षा (कक्षा 10 व 12) सुरक्षा व्यवस्था के लिए परीक्षा केन्द्रों का पूर्व निरीक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश।- प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई एवं स्ट्रांग रूम की निगरानी हेतु विशेष प्रबंध।- नकल माफियाओं/असामाजिक तत्वों

पर प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही।- परीक्षा अवधि में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने हेतु समुचित प्रबंधन।- यक्ष एप के प्रभावी उपयोग संबंधी निर्देश।- जनपद में यक्ष ऐप्प पर हिस्ट्रीशीटर और विभिन्न श्रेणी के गैंगों का विवरण अपलोड हो चुका है।- जनपद में 48 ऐसे स्थान है, जहाँ नेटवर्क की सुविधा न होने के कारण जिओ टैगिंग की कार्यवाही नही हो पाई है, जिसके सम्वन्ध में उ्न को भेजकर जीपीएस चेक कराते हुए आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।- यक्ष परिपत्र 07 में उइज द्वारा दिये गए निर्देशो के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।- साइबर अपराध नियंत्रण के लिए साइबर हेल्प डेस्क को और अधिक सक्रिय रखने एवं साइबर फ्रॉड की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश।- ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग फ्रॉड आदि प्रकरणों में त्वरित समन्वय स्थापित कर पीड़ितों को शीघ्र राहत प्रदान करने पर बल।- फ्राड धनराशि को तत्काल लीन कराया जाय।- जनजागरूकता अभियान चलाकर आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश।- अपराध एवं कानून व्यवस्था समीक्षा के लिए लंबित विवेचनाओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर बल।- वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान।महिला सुरक्षा, मादक पदार्थ तस्करी एवं संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्ययोजना की समीक्षा।- बजट व्यय एवं प्रशासनिक कार्य के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध एवं पारदर्शी व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश।- लंबित निर्माण/मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा।- अभिलेखों के अद्यतन रखरखाव हेतु समस्त शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया गया।- डायल 112 व कंट्रोल रूम की सक्रियता के लिए आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया हेतु डायल 112 को पूर्णतः सक्रिय रखने के निर्देश।- कंट्रोल रूम को 24□7 सतर्क रखते हुए प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया।

डीएम हर्षिता माथुर की संवेदनशीलता ने जीता दिल जनसुनवाई में दिव्यांग को मिली बैसाखी

रायबरेली। अपनी कार्यशैली और मानवीय दृष्टिकोण के लिए चर्चित रायबरेली की जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान डीएम का मानवीय चेहरा उस वक्त सामने आया, जब उन्होंने एक असहाय दिव्यांग बुजुर्ग को अपनी फरियाद लेकर आते देखा। जिलाधिकारी ने न केवल उनकी समस्या सुनी, बल्कि तत्काल मौके पर ही बैसाखी की व्यवस्था कराकर बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दी। जानकारी के अनुसार, डलमऊ तहसील क्षेत्र का रहने वाला एक बुजुर्ग दिव्यांग अपनी फरियाद लेकर बड़ी उम्मीद के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा था।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर सतर्कता अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न

चिन्ता पान्डेय

जनपद सोनभद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य फोकस महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विधिक अधिकारों की जानकारी एवं साइबर अपराधों से बचाव रहा। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ध्ळइ साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई। पुलिस द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

साइबर ठगी के प्रति किया गया आगाह

चित्रकूट। कर्वी सदर ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत शिवरामपुर स्थित आरसेटी में बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के लिए शिकायत निवारण तंत्र के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभाग कर रहे 70 प्रशिक्षणार्थियों को डिजिटल से संबंधित साइबर ठगी सहित तमाम तकनीकी जानकारी दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक प्रबंधक अरविन्द कुमार ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को वित्तीय फ्रॉड,डिजिटल अरेस्ट एवं शिकायत निवारण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आरसेटी में बैंकर्स के लिए जिला स्तरीय मुद्रा प्रबंधन समिति की बैठक ली।जिसमें विभिन्न बैंकों के बैंकर्स को आरबीआई के सहायक प्रबंधक आनंद कबीर ने पेमेंट के डिजिटल तरीके और डिजिटल फ्रॉड से बचाव की जानकारी देकर जागरूक किया।कार्यक्रम का संचालन आरसेटी निदेशक ओम प्रकाश कुरील ने किया।

संक्षिप्त समाचार

उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे का इस्तीफा

भोपाल। भिंड जिले की अटेर सीट से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे के मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। कटारे ने इस्तीफा पत्र में लिखा कि परिवार और क्षेत्र की जनता को पर्याप्त समय नहीं दे पाने के कारण वे यह जिम्मेदारी छोड़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे पत्र में लिखा कि संगठन जिसे चाहे इस पद की जिम्मेदारी दे, वे पूर्ण सहयोग करेंगे। पार्टी ने उन्हें इस योग्य समझा, इसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। हेमंत कटारे की शुक्रवार को मैरिज एनिवर्सरी थी। वे शाम करीब 4 बजे तक विधानसभा की कार्यवाही में मौजूद रहे थे, फिर अचानक बाहर आ गए। इसके बाद से ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। वे अटेर निकल गए या भोपाल में ही हैं, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। मुरैना जिले की जौरा सीट से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने कटारे के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोई गंभीर समस्या नहीं है।

पति को शिलांग ले जाकर दिया जहर

इन्दौर।मैट्रिमोनियल साइट से उत्तरप्रदेश की एक तलाकशुदा महिला से शादी करना इन्दौर के एक वकील के लिए जानलेवा साबित होते होत बच गया नहीं तो इन्दौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की पुनरावृत्ति हो सकती थी। इन्दौर के इस वकील के साथ उक्त तलाकशुदा महिला ने उसे शिलांग ले जाकर वहां ज़हर देकर किसी खाई में धकेल मारने की साज़िश रची थी। लेकिन वक्त रहते वकील पति ने अपनी पत्नी की साजिश को भांप लिया और मामले में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने वकील की शिकायत पर नीलिमा सेंगर निवासी उत्तर प्रदेश और उसके साथी शुभम सेंगर उर्फ गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वकील ने पुलिस को अपनी दर्ज शिकायत में बताया कि उसने एक मैट्रिमोनियल साइट पर महिला का प्रोफाइल देखा था।

जेपी की आग ने खोली 50 लाख के फायर सिस्टम की पोल

भोपाल। राजधानी के जयप्रकाश चिकित्सालय में बुधवार को लगी आग ने उस दावे की पोल खेल दी जिसमें कहा गया था कि नया फायर आलर्म सिस्टम सिगरेट के धुएं से भी एक्टिव होगा। लेकिन जब आग लगी तो यह सिस्टम काम नही किया। जिसके चलते न अलार्म बजा और न स्प्रिंकलर से पानी गिरा। इसके बाद इस सिस्टम की जांच करने गुरूवार को कपंनी आई लेकिन अलार्म नही बजा अलबत्ता स्प्रिंकलर के एक पाईप से कुछ पानी जरूर गिर गया। प्रबंधन और फायर सिस्टम एजेंसी के बीच अनबन के कारण सिस्टम अभी तक हैंडओवर नहीं हुआ और बंद पड़ा है। आग वाले दिन यह अच्छी बात रही कि एक सुरक्षा कर्मचारी ने फायर इंस्टूग्विशर से आग बुझा दी।

एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेसके प्रदर्शन पर भड़के योगी आदित्यनाथ, बोले- अराजकता फैलाने की कोशिश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस के युवा विंग द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा करते हुए इसे शर्मनाक घटना और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास बताया। उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी के युवा विंग ने भारत मंडपम में एक शर्मनाक घटना को अंजाम दिया। वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। ये लोग देश की कीमत पर खेल खेलना चाहते हैं। जहां 100 से अधिक देशों के लोग भाग ले रहे हैं, वहां वे इस तरह का अराजकता पैदा करके अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रत्येक भारतीय को इस घटना की निंदा करनी चाहिए। इसके पीछे जो भी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने यहां हल्ला करने की कोशिश की है। मैंने अपने नौजवानों से बात की कि उन्हें क्या लगता है इस हल्ले पर?... उन्हें कोई नहीं समझा सकता है... इस समय हमें राजनीति से समिट को ऊपर रखना चाहिए। भाजपा नेता निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश के खिलाफ और देश को नीचा दिखाने का काम करती रही है। अभी भी देश जब पूरी दुनिया के सामने पहली बार ँ समिट कर रहा है, पूरी दुनिया के दिग्गज नेता जब यहां आ रहे हैं तब जाकर शायद उन्हें खराब लग रहा है। शायद उन्हें याद आया कि भारत की छवि धूमिल करनी है, इसलिए वे प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका स्वभाव ही है भारत को नीचा दिखाना। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ँ समिट में सिर्फ अपनी शर्ट नहीं उतारी, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि कांग्रेस कैसे भारत विरोधी है। यह देशद्रोह है। यह हमारे देश की इमेज के साथ छेड़छाड़ है... मैं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके लिए राजनीति देश से बड़ी है? क्या उन्होंने देश की इज़्ज़त से खेलने के लिए कोई सीक्रेट डील साइन की है? क्या यह कांग्रेस का असली चेहरा है? जनता इसे माफ़ नहीं करेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट का जयदीप सेंगर को अल्टीमेटम
कल तक समर्पण करो वरना होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को जयदीप सिंह सेंगर उर्फ अतुल सिंह को कल तक आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। वह कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य लोगों के साथ उन्नाव हिरासत में मौत के मामले में दोषी है। ये सभी 10 साल की सजा को निलंबित करने की मांग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति नवीन चावला और रविंदर डुडेजा की खंडपीठ ने जयदीप सिंह सेंगर को कल तक तिहाड़ जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। खंडपीठ जयदीप सिंह सेंगर को दी गई अंतरिम चिकित्सा जमानत की अवधि बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंतरिम जमानत की अवधि नहीं बढ़ाई गई और न ही उन्होंने आत्मसमर्पण किया।उन्हें जुलाई 2024 में कैंसर के इलाज के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। इसके बाद उनकी अंतरिम जमानत की अवधि समय-समय पर बढ़ाई गई। बाद में अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। हालांकि, उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया। खंडपीठ ने उन्हें पहले आत्मसमर्पण करने को कहा और बताया कि इसके बाद याचिका पर सुनवाई होगी। यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय ने याचिका पर स्थिति रिपोर्ट मंगवाई है और मामले की सुनवाई 24 फरवरी को तय की है। उनके वकील ने बताया कि जयदीप सिंह सेंगर कल जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उन्नाव हिरासत में मृत्यु मामले में कुलदीप सिंह सेंगर सहित सभी दोषियों और सीबीआई को नोटिस जारी किया। उन्नाव बलात्कार पीड़िता ने अपने पिता की हिरासत में मृत्यु के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर सहित दोषियों की सजा बढ़ाने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। सेंगर हिरासत में मृत्यु के मामले में 10 साल की सजा काट रहे हैं। कुलदीप सिंह सेंगर को छोड़कर इस मामले में अन्य सभी दोषी जमानत पर हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जिसने याचिका दायर की है, की ओर से अधिवक्ता महमूद प्राचा पेश हुए।

जम्मू-कश्मीर में अब योगी मॉडल? एलजी मनोज सिन्हा बोले-आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए

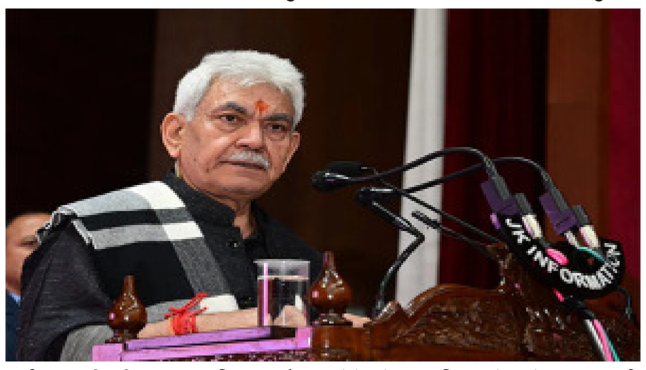

गंभीर कार्रवाई का वादा किया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लहजे की याद दिलाते हुए अपनी बात रखी। सभा को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा हम राष्ट्र के विरुद्ध षड्यंत्र रचने वालों और आतंकवादियों का समर्थन करने वालों को ऐसी सजा देंगे कि उनकी आने वाली सात पीढ़ियां इसे याद रखेंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हम ऐसी स्थिति पैदा करेंगे कि आतंकी तंत्र दया की भीख मांगने पर मजबूर हो जाएगा। हम आतंकवाद को कुचल देंगे। केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादी गतिविधियों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एलजी की ये टिप्पणियां आईं, जिसमें सिन्हा ने आतंकी नेटवर्क और उनके सहयोगियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाने का संकेत दिया। सिन्हा ने कश्मीरी पंडितों के जुझारूपन को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें दशकों पहले घाटी छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'कश्मीरी पंडितों ने अकल्पनीय और अनगिनत कठिनाइयों का सामना किया है। अपने घर से विस्थापित होने के बावजूद, वे फिर से उठ खड़े हुए हैं और सफलता के नए मुकाम हासिल किए हैं। उन्होंने तमाम मुश्किलों के बावजूद अपनी परंपराओं, संस्कृति और धर्म को जीवित रखा है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों के दुख-दर्द को दुष्प्रचार करार देने वालों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, 'कश्मीरी पंडितों ने नरसंहार का सामना किया है। पिछले 37 वर्षों में उनकी दुर्दशा पर कई किताबें प्रकाशित हुई हैं और कुछ फिल्में भी बनी हैं। लेकिन एक ऐसा तंत्र मौजूद है जो इसे दुष्प्रचार कहता है। कश्मीरी पंडितों के दर्द और पीड़ा को दुष्प्रचार कहना उनके खिलाफ एक और नरसंहार के समान है। उपराज्यपाल ने आतंकी मामलों की पुनः जांच करने की योजना की घोषणा करते हुए कश्मीरी पंडितों के विरुद्ध अत्याचार करने वालों को दंडित करने का वादा किया।

घर के पास पब्लिक टॉयलेट पर हाईकोर्ट खफा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी के घर के पास सार्वजनिक यूरिनल और खुला कूड़ादान होना संविधान के तहत स्वच्छ और स्वस्थ माहौल में गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को चार हफ्तों में इन्हें हटाने का आदेश दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने सम्मान के साथ जीने के अधिकार को लेकर कहा है कि किसी के घर के ठीक पास पब्लिक यूरिनल और खुला कूड़ेदान होना संविधान के तहत साफ और हेल्दी माहौल में सम्मान के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अमित बंसल ने दिल्ली नगर निगम को चार हफ्ते के अंदर इन्हें हटाने का आदेश दिया। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि साफ-सुथरा माहौल हेल्दी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा है और हेल्दी माहौल की कमी सम्मान के साथ जीने के अधिकार को खत्म करती है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर कब लगेगी फाइनल मुहर? इन देशों के साथ ही लागू होगा समझौता

नई दिल्ली। भारत 2026 में कई व्यापार सौदों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत अप्रैल में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के लागू होने से होगी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि इसी महीने, नई दिल्ली के ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भी लागू होने की संभावना है। गोयल ने कहा कि इसके बाद न्यूजीलैंड के साथ भारत का व्यापार समझौता सितंबर में लागू होने की उम्मीद है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने और अप्रैल में इसके लागू होने की संभावना है।

नई दिल्ली और वाशिंगटन के अधिकारी 23 फरवरी को अमेरिका में अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने वाले हैं। एचटी ने पहले बताया था कि भारत अपने मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन को अगले सप्ताह अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में भेज रहा है ताकि दोनों देशों के 7 फरवरी के संयुक्त बयान के अनुरूप समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप दिया

जा सके। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने एचटी को बताया, 'संयुक्त बयान भारत और अमेरिका के बीच हुए फ्रेमवर्क समझौते से संबंधित है..संयुक्त बयान में समझौते की रूपरेखा निर्धारित की गई है। अब समझौते की रूपरेखा को एक कानूनी समझौते में बदलना होगा, जिस पर दोनों पक्ष हस्ताक्षर करेंगे। इसलिए, जैसा कि मैं अभी बात कर रहा हूं, दोनों पक्ष उस कानूनी समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वाशिंगटन से उम्मीद है कि वह भारतीय माल निर्यात पर 25इ पारस्परिक शुल्क को जल्द ही, संभवतः इसी सप्ताह के शुरू में, घटाकर 18प्रतिशत कर देगा।

अग्रवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य मार्च तक कानूनी समझौते को अंतिम रूप देना, उसे अंतिम रूप देना और उस पर हस्ताक्षर करना है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया 25प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ 'पहले ही हटा दिया गया है। दूसरे 25प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ को घटाकर 18प्रतिशत करने के बारे में उन्होंने कहा मुझे बताया गया है कि वे इस पर काम कर रहे हैं। यह जल्द ही हो जाना चाहिए। हमारी उम्मीद है कि यह इस सप्ताह हो जाएगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो टीम अगले सप्ताह भी वहां होगी, और हम देखेंगे कि इसमें समय क्यों लग रहा है।

सोशल मीडिया पर अफसर को किया बदनाम? बेंगलुरु साइबर क्राइम ने महिला एक्टिविस्ट को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के कथित भूमि आवंटन मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा लड़ने वाली कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी की शिकायत के बाद बेंगलुरु अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, एमयूडीए के पूर्व आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारी डीबी नटेश, केएएस द्वारा दायर शिकायत के आधार पर 18 फरवरी, 2026 को बेंगलुरु शहर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद से जांच शुरू कर दी गई है। अपनी शिकायत में नतेश ने आरोप लगाया कि मैसूरु निवासी कृष्णा ने शिकायतकर्ता की तस्वीरें, जाली दस्तावेज और वॉयस क्लिप बनाकर और प्रसारित करके उसे निशाना बनाने के लिए उसके फेसबुक खाते का इस्तेमाल किया।नतेश का कहना है कि इन सामग्रियों का इस्तेमाल 'सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने और उत्पीड़न करने' के लिए किया गया था। जांच के दौरान, अधिकारियों ने शिकायतकर्ता और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से सबूत जुटाए, जिसमें फेसबुक पर अपलोड किए गए वॉइस क्लिप की जांच भी शामिल थी। अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद, जांचकर्ताओं ने मामले से संबंधित दस्तावेजों की तलाश में कृष्णा के आवास पर तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि जांच के सिलसिले में कृष्णा को नोटिस जारी किया गया है और उन्हें चल रही जांच के तहत पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन में पेश किया जा रहा है।कृष्णा पहले श्ळंर्‍ भूमि आवंटन विवाद में एक प्रमुख शिकायतकर्ता के रूप में उभरे थे, जिन्होंने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती बी एम और कुछ सहयोगियों पर मैसूरु में आवासीय भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। उनका मुख्य आरोप केसरे गांव में विवादित भूमि के बदले पार्वती को मुआवजे के तौर पर आवंटित भूखंडों से संबंधित था।

बढ़ते यूपीआई फ्रॉड के मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते यूपीआई फ्रॉड पर हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने पीड़ितों को राहत देने और सख्त गाइडलाइंस बनाने पर जवाब तलब किया है। दिल्ली में ऑनलाइन पेमेंट के बढ़ते चलन के बीच यूपीआई फ्रॉड के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसे लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने इस गंभीर समस्या पर केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने यूपीआई फ्रॉड रोकने और पीड़ितों को तुरंत राहत देने के लिए ठोस गाइडलाइंस बनाने की मांग पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से इस मुद्दे पर विस्तृत जवाब देने को कहा है।

असम से अमित शाह का बड़ा वादा
कांग्रेस राज के हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर भेजेंगे वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर सीमा सुरक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खुली सीमाओं के कारण असम में घुसपैठ हुई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। असम के कछार जिले में एक जनसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस राज्य में सार्थक विकास पहल शुरू करने में विफल रही, वहीं असम में अब बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, जहां प्रतिदिन लगभग 14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है - जो देश में सबसे अधिक दरों में से एक है। अमित शाह ने कहा कि आज एक तरह से वाइब्रेंट विलेज छ्ठ की शुरुआत हो रही है। वाइब्रेंट विलेज छ्ठ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों में भारत के सभी गांवों के बराबर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू किया है...

एक समय था जब सीमावर्ती गांवों को देश के अंतिम गांव कहा जाता था। ये अंतिम गांव न केवल सीमाओं के कारण अंतिम थे, बल्कि विकास के मामले में भी पिछड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज II परियोजना की लागत 6,900 करोड़ रुपये होगी और इसमें 17 राज्यों के 334 ब्लॉक और 1,954 गांव शामिल होंगे, जिनमें असम के नौ जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव शामिल हैं। असम के इन 140 गांवों में भारत के हर गांव के समान सुविधाएं होंगी। इस 7 हजार करोड़ रुपये के कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 2 हजार गांवों का विकास करना है। इसमें सुरक्षा संबंधी योजनाएं, योजना संतृप्ति योजनाएं और कई कनेक्टिविटी पहल सहित व्यापक योजनाएं शामिल हैं।उन्होंने कहा कि असम दो समस्याओं से जूझ रहा था: घुसपैठिए असमिया लोगों के अधिकारों का हनन कर रहे थे। कांग्रेस सरकारों ने हमारी सीमाओं को घुसपैठियों के लिए खुला छोड़ दिया। घुसपैठिए लगातार असम में प्रवेश करते रहे। असम के युवाओं की नौकरियां, गरीबों का अनाज और गांवों की जमीन छीनकर असम की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास किया गया। असम की जनता ने दस साल पहले भाजपा सरकार के गठन की पहल की और पहले पांच वर्षों में हमने घुसपैठ रोकने के लिए काम किया। दूसरे पांच वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई लाखों एकड़ जमीन को खाली कराने और उन्हें बाहर निकालने के लिए काम किया। अब तीसरी बार चुनाव आ रहे हैं, यहां एक बार फिर भाजपा सरकार बनाएं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कांग्रेस शासन में घुसने वाले हर एक घुसपैठिए को हम वापस भेज देंगे।

पाकिस्तान हॉकी की बदहाली! सड़कों पर खिलाड़ी
अब क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी करेंगे मदद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में एफआईएच प्रो लीग के मुकाबलों के लिए गई टीम को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा, उसकी खबर सार्वजनिक होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने देश के हॉकी महासंघ और खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए तुरंत कदम उठाया। पीएचएफ के कुप्रबंधन का खुलासा तब हुआ जब टीम के कप्तान अम्माद शकील बट ने ऑस्ट्रेलिया में टीम की दयनीय स्थिति का खुलासा किया। इस हंगामे के बीच, नक़्वी ने कहा कि देश का क्रिकेट बोर्ड हॉकी टीम की मदद करेगा और देश की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है।

नकवी ने कहा कि हम हॉकी खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। हॉकी से जुड़े मामलों को सुचारू बनाने के लिए हम पूरा सहयोग देंगे। नक़्वी ने आगे कहा कि आपको सिर्फ खेल पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है। हम किसी भी परिस्थिति में देश की गरिमा को धूमिल नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें फेडरेशन का प्रमुख बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन वे आंतरिक संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं हॉकी फेडरेशन का अध्यक्ष नहीं बन रहा हूँ, लेकिन जब तक यह उथल-पुथल समाप्त नहीं हो जाती, हम खिलाड़ियों की सहायता करेंगे।

बट ने बताया कि आवास का किराया न चुका पाने के कारण टीम को सड़कों पर भटकना पड़ा। सिडनी में अपने मैच से पहले उन्हें अपने सामान के साथ 12 घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ा, जिससे पीएचएफ के भीतर व्याप्त गहरे भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का पर्दाफाश हुआ। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि टीम को 2023 से दैनिक भत्ता नहीं मिला है, और उन्हें अपना खाना खुद बनाना और बाद में सफाई करना पड़ रहा है।

बट ने यह भी स्वीकार किया कि टीम प्रबंधन ने उन पर दबाव डाला था कि वे झूठा दावा करें कि सब कुछ ठीक है, क्योंकि खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा था। सिडनी पहुंचने पर पाकिस्तानी हॉकी टीम को लगभग आधे दिन तक इंतजार करना पड़ा, और तब उन्हें पता चला कि भुगतान न होने के कारण उनके आवास की बुकिंग रद्द कर दी गई थी। टीम को अपने 13 दिनों के विदेशी दौरे में से 10 दिर्न ंहं के माध्यम से किराए पर लिए गए एक आवास में रहना पड़ा, और बीच में ही उन्हें एक साधारण आवास में स्थानांतरित होना पड़ा।

खेल के महाकुंभ का आगाज,विजेंदर और बोपन्ना दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह और स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना रविवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से 11वीं कॉग्निजांट नयी दिल्ली मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस मैराथन में 30,000 से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है और यह देश की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता से एक बनने वाली है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से प्रमाणित, 'एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस' से मान्यता प्राप्त और विश्व एथलेटिक्स से स्वीकृत यह मैराथन वैश्विक एथलेटिक कैलेंडर में अपनी जगह मजबूत कर रही है। इस चरण में 31 देशों, 490 शहरों और भारत के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोग हिस्सा लेंगे जिसका आयोजन चार वर्ग फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10के और 5के में किया जाएगा भारत का प्रतिनिधित्व एक एलीट टीम करेगी जिसमें अनीश थापा, एबी बेलियप्पा, मान सिंह, अक्षय सैनी, टी गोपी, भागीरथी बिष्ट, निरमाबेन ठाकोर भारतजी, अश्विनी मदन जाधव, डिस्केट डोलमा और स्टैंजिन डोलकर शामिल हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट में 'पुराने बनाम नए' की जंग!,शादाब खान के कमेंट पर शाहिद अफरीदी का तीखा पलटवार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट में हार के बाद अक्सर मैदान के बाहर का ड्रामा शुरू हो जाता है, और इस बार यह विवाद 'दिग्गज बनाम मौजूदा खिलाड़ी' के रूप में सामने आया है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली 61 रनों की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और ऑलराउंडर शादाब खान के बीच तीखी बहस छिड़ गई है।

टी-20 वर्ल्ड कप में पहले इंडिया के खिलाफ 61 रन से हार के बाद, शाहिद अफरीदी, मोहम्मद यूसुफ और शोएब अख्तर समेत कई पुराने क्रिकेटरों ने मौजूदा बैच को आड़े हाथों लिया है, और पाकिस्तान क्रिकेट से सीनियर्स से आगे बढ़कर सबसे छोटे फॉर्मेट में नए खिलाड़ियों को चुनने को कहा है।

हालांकि, यह कमेंट ऑल-राउंडर शादाब खान को अच्छा नहीं लगा, जिन्होंने पुराने क्रिकेटरों को याद दिलाया कि वे कई सालों से घ्ण्ण टूर्नामेंट में इंडिया को हराने में नाकाम रहे हैं। शादाब ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'हमारे पुराने क्रिकेटरों की अपनी राय है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अच्छा किया है, और आखिर में, उन्होंने वर्ल्ड कप में भी इंडिया को कभी नहीं

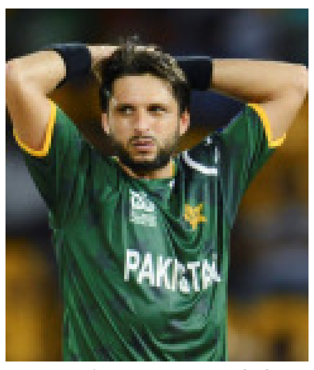

हराया है।' अब, अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट में ट्रेडिशन के बारे में बात करते हुए कमेंट का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कमेंट्स पीढ़ियों से चले आ रहे हैं और शादाब से कहा कि वह टाइटल की दावेदार टीमों के खिलाफ मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस से जवाब दें, न कि सिर्फ छोटी टीमों की बुराई करें।

अफरीदी ने समा टीवी पर कहा, 'जब हम क्रिकेट खेलते थे, तब भी पुराने क्रिकेटर हमारे बारे में बहुत कुछ कहते थे। उन्होंने 'लानत है' भी कहा था। हमने इसे बर्दाश्त किया और परफॉर्मेंस से जवाब दिया, छोटी टीमों के खिलाफ नहीं, बल्कि बड़ी टीमों के खिलाफ। हमने परफॉर्मेंस से जवाब दिया।'

उन्होंने आगे कहा 'शादाब, तुमने नामीबिया के खिलाफ अच्छा परफॉर्म किया, अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भी करो। बेटा, परफॉर्मेंस दो। मुश्किल समय में, हम तुम्हारे साथ खड़े रहे। तुमने एग्रेसिव क्रिकेट नहीं खेला, फिर भी तुम पाकिस्तान टीम में वापस आ गए। अब परफॉर्मेंस से जवाब दो ताकि हम भी चुप हो जाएं। परफॉर्म करो, वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद, हम खुद चुप हो जाएंगे, बेटा।

सुपर एट्स में पाकिस्तान का सफर नामीबिया पर जीत की बदौलत, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के सुपर एट्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्हें अब इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ ग्रुपँ में रखा गया है। ग्रुप से सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाली टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 4 और 5 मार्च को खेला जाएगा।

बहुत ही छुपी रुस्तम हैं दीया मिर्जा, इंटरनेशनल लेवल पर कर चुकी है ये बड़े काम

नई दिल्ली। दीया मिर्जा को बॉलीवुड में ये शौहरत किसी से विरासत में नहीं मिली है बल्कि उन्होंने अपने दम पर अपना नाम बनाया है। आइये आज हम आपको बताते हैं दीया मिर्जा की बॉलीवुड की जर्नी के बारे में- दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत 2000 में मिस इंडिया एशिया पैसिफिक प्रतियोगिता को जीतने के बाद की। इस प्रतियोगिता में दीया मिर्जा को मिस इंडिया के साथ-साथ मिस ब्यूटीफुल स्माइल, द सोनी ब?यूरेज चोइस अवार्ड से भी नवाजा गया था। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 में हैदराबाद में हुआ था। दीया मिर्जा के पिता फ्रैंक हैंडरिक जर्मनी के तीसरा सबसे बड़ा नगर म्यूनिख में कलाकार और इंटीरियर डिजाइनर थे। दीया मिर्जा मां दीपा बंगाल से थी और वह भी इंटीरियर डिजाइनर, लैंडस्केपर है। फिलहाल दीया मिर्जा की मां शराबियों और नशीली दवाओं की लत में मदद करने के लिए स्वयंसेवक के रूप में सामाजिक कार्य करती है। जब दीया साढ़े चार साल की थी, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया। बाद में, उनकी मां ने हैदराबाद के एक दखिनी मुस्लिम व्यक्ति अहमद मिर्जा से शादी की थी। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद दिया को बॉलीवुड से फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के मेकर्स ने अप्रोज किया था। इस फिल्म से दिया मिर्जा ने बॉलीवुड में डेब्यू बतौर एक्ट्रेस किया था। बाद में उन्होंने दस (2005), लगे रहो मुननभाई (2006) और संजू (2018) सहित कई फिल्मों में अभिनय किया। वह अपने पति साहिल संघा के साथ एक प्रोडक्शन हाउस, बॉर्न फ्री एंटरटेनमेंट की सह-मालिक भी हैं इसके प्रोडक्शन में बनी पहली फिल्म लव ब्रेकअप्स जिंदगी 7 अक्टूबर 2011 को रिलीज़ हुई थी। दीया मिर्जा ने केलव एक्टिंग में ही नहीं बल्कि सामाजिक कार्यों में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने सामाजिक कार्य के लिए प्रशंसा पाई है। पर्यावरण के प्रति उनके योगदान के लिए उन्हें घ्ईं 2012 ग्रीन अवार्ड मिला। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या, एचआईवी की रोकथाम, कैंसर रोगियों की सहायता संस्था, पेटा, के बारे में जागरूकता अभियान चलाए हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से नर्मदा बचाओ आंदोलन का समर्थन किया। दीया मिर्जा को भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सद्भावना राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो केट ब्लैंचेट, ऐनी हैथवे, एंजेलीना जोली, कैटी पेरी और एम्मा वाटसन जैसी वैश्विक हस्तियों में शामिल हैं।

प्रभास के बाद महेश बाबू ने पाया यह मुकाम साउथ सुपरस्टार के फैंस को मिला सरप्राइज

नई दिल्ली। महेश बाबू के फैंस के लिए कल एक बड़ा सरप्राइज मिला है। क्या आप जानते हैं कि साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू अब सिंगापुर में बसने वाले हैं, चौंक गए न! जी हां महेश बाबू अब सिंगापुर के फैंस के लिए हर पल मौजूद रहने वाले हैं। क्योंकि सिंगापुर के मैडम तुसाद संग्रहालय में अब महेश बाबू के वैक्स स्टैचु की एंट्री हो चुकी है और यह मुकाम हासिल करने वाले महेश साउथ इंडस्ट्री के दूसरे हीरो बन चुके हैं। इसके पहले सिर्फ 'बाहुबली' फेम प्रभाष ने यह दर्जा पाया था।

सिंगापुर स्थित मैडम तुसाद संग्रहालय में अभिनेता महेश बाबू की एंट्री हो गई है। उनकी मोम की प्रतिमा का सोमवार को हैदराबाद के 'एएमबी सिनेमाज' में अनावरण किया गया जिसे बाद में सिंगापुर स्थित संग्रहालय में भेजा जाएगा। सात स्क्रीन वाला सुपरप्लेक्स 'एएमबी सिनेमाज' महेश बाबू और प्रमुख फिल्म वितरक कंपनी 'एशियन ग्रुप' का संयुक्त उपक्रम है। प्रभास के बाद महेश दूसरे तेलुगू अभिनेता हैं जिनकी मोम की प्रतिमा बनाई गई है। एक बयान के अनुसार, प्रतिमा को 'एएमबी सिनेमाज' में एक दिन के लिए प्रदर्शनी के लिए रखा जाएगा और इसके बाद मैडम तुसाड संग्रहालय में स्थापित करने के लिए सिंगापुर भेज दिया जाएगा। स्केचिंग्स और अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से चुने गए चुनिंदा प्रशंसकों को महेश की मोम की प्रतिमा के साथ सेल्फी लेने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड सेलेब्स की लव मैरिज बदल गई तलाक में

कहते हैं कि अगर आप किसी से प्यार करो और वह आपकी जिन्दगी में आ जाए तो इससे बड़ी खुशी और कोई हो ही नहीं सकती। लेकिन बॉलीवुड की गलियों में फिल्मों की ही तरह वास्तविक जीवन में भी रिश्ते बनते-बिगड़ते हैं। आज हम आपको ऐसे कुछ सेलेब्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने लव मैरिज तो की, लेकिन उनका रिश्ता कोर्ट के दरवाजे तक पहुंच गया और अंत में प्रेमी जोड़ा तलाक लेकर अलग हो गया... **अरबाज और मलाइका अरोड़ाः** अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा को बॉलीवुड में एक परफेक्ट कपल के रूप में जाना जाता था और जब उनके अलगाव की खबर आई तो उनके फैंस को इस बात का यकीन ही नहीं हुआ। अरबाज और मलाइका करीबन 18 साल विवाह के बंधन में एक-दूसरे के साथ बंधे रहे। लेकिन साल 2016 में उन दोनों ने अलग होने का फैसला किया और 2017 में वे कानूनी रूप से अलग हो गए। आपको बता दें कि शादी से पहले भी अरबाज और मलाइका ने करीबन चार साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। **ऋतिक रोशन और सुजैन खानः** अरबाज और मलाइका की तरह ही ऋतिक और सुजैन खान बॉलीवुड का एक प्यारा-सा कपल माना जाता था। ऋतिक ने कई बार अवॉर्ड शो और पब्लिकली भी सुजैन से अपने प्यार का इजहार किया था लेकिन शादी के चौदह साल बाद इनके अलगाव की खबर ने न सिर्फ इनके फैंस को बल्कि परिवार के सदस्यों और करीबियों को भी चौंका दिया था। ऋतिक और सुजैन ने एक नंवबर 2014 को बांद्रा

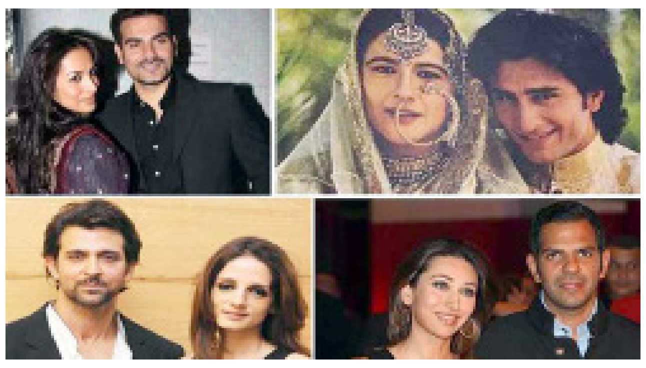

के फैमिली कोर्ट में तलाक ले लिया। हालांकि तलाक के बाद भी ऋतिक और सुजैन बच्चों के कारण एक-दूसरे से मिलते हैं और एक साथ वक्त बिताते हुए नजर आते हैं। **अनुराग कश्यप और कल्किः** अनुराग और कल्कि की साल 2009 में देव डी के सेट पर एक दूसरे से मिले। उनके बीच प्यार हुआ और साल 2011 में उन दोनों ने शादी कर ली। लेकिन शादी के बाद चीजें वैसी नहीं हुई, जैसा कि उन दोनों ने सोचा था। बाद में मई 2015 में उनका मुंबई फैमिली कोर्ट में तलाक हो गया। **करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेटः** इन दोनों की जोड़ी को ऑन स्क्रीन काफी पसंद किया जाता है। करण और जेनिफर ने 'दिल मिल गए' सीरियल में एक साथ काम किया था, जिसके बाद ये दोनों एक-दूसरे के करीब आए और साल 2012 में उन दोनों ने शादी की लेकिन दुर्भाग्यवश साल 2014 में में उनका तलाक हो गया। इसके बाद करण बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु के साथ अप्रैल 2016 में शादी के बंधन में बंधे। **करिश्मा कपूर और संजय कपूरः** कभी एक-दूसरे से बेइंतहा प्यार करने वाले करिश्मा और संजय का रिश्ता जिस तरह टूटा, वह उन दोनों के लिए ही काफी तकलीफदेह रहा होगा। कोर्ट में तलाक के दौरान उन दोनों की एक-दूसरे पर आरोप लगाने की खबरों ने हमेशा ही सुर्खियां बटोरी थीं। बाद में इस स्थिति के खराब होने के कारण करीना के पति सैफ अली खान ने एक मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी ताकि उनके तलाक का सारा प्रॉसिजर आसानी से हो जाए। **सैफ अली खान और अमृता सिंहः** जब सैफ अली खान ने अमृता सिंह से लव मैरिज की थी तो सैफ के परिवार वाले इस शादी के पक्ष में नहीं थे क्योंकि सैफ अमृता से करीबन 12 साल छोटे थे लेकिन फिर भी इस प्रेमी जोड़े ने दुनिया की परवाह न करते हुए अपने दिल की सुनी और शादी के बंधन में बंधे। लेकिन उनका यह रिश्ता केवल कुछ समय तक ही टिक पाया। शादी के तेरह साल और दो बच्चों के बाद सैफ और अमृता एक-दूसरे से अलग हो गए। इसके बाद सैफ ने करीना कपूर से शादी की। अब इस दौनों का एक साल का एक बच्चा तैमूर भी है।

ईशा गुप्ता बिकिनी में अभिनेत्री ने शेयर की तस्वीर हॉट फिगर देखकर मचलाया यूजर्स का दिल

मुम्बई। बॉलीवुड की हॉट हसीना ईशा गुप्ता सुर्खियों में रहना बखूबी जानती हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने रविवार को अपनी एक हॉट तस्वीर शेयर की, जिसने सोशल मीडिया पर भूचाल सेक्शन में ईशा और उनके हॉट फिगर की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं।

ईशा गुप्ता की बिकिनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं और लोग जमकर

ला दिया है। इस तस्वीर में, ईशा लिफ्ट में बिकिनी पहनकर अपना हॉट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री इस तस्वीर को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स का मन मचल गया है। लोग कमेंट इनपर कमेंट करते नजर आ रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'संडे का वर्कलोड।' एक अन्य ने कमेंट किया, 'शुगर मम्मी।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आपको देखकर सब पानी-पानी हो गए होंगे।' तारीफों के अलावा कुछ यूजर्स अभिनेत्री को जमकर ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने ईशा को ट्रोल करते हुए लिखा, 'पोस्ट डालना तो बहाना है, सबको अपना जिस्म दिखाना है।' एक अन्य ने लिखा,' होटल में उर्फी जावेद के बगल में कमरा मिल गया क्या।'

जन्नत 2' से बॉलीवुड करने वाली ईशा गुप्ता ने इस साल कांस फिल्म फेस्टिवल में अपना डेब्यू किया। इस दौरान अभिनेत्री ने रेड कार्पेट पर बड़ी ही सेक्सी सफेद रंग की ड्रेस पहनी थी। इस ड्रेस में ईशा ग्लैमरस और खूबसूरत लग रही थी। कांस रेड कार्पेट से अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा वेब सीरीज 'आश्रम' में सोनिया का किरदार निभा रही है। इसके अलावा वह फिल्म 'फाइल नंबर 323' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

फिल्म देखने लायक है, शायद हर औरत को इसे जरूर देखना चाहिए जो ऐसे जी रही है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक महिला अपने जीवन में सबसे बड़ा कदम तब उठाती है जब वह 'मिस' से 'मिसेज' बन जाती है। और इस बदलाव के दौरान उसका हाथ थामने वाला व्यक्ति रिश्ते में 'मिस्टर' होता है। लेकिन क्या होगा अगर वह आदमी उसे कभी सही मायने में समझ ही न पाए? क्या होगा अगर वह जिस घर को घर बनाने का सपना देखती है वह कभी उसे अपना न लगे? क्या होगा अगर शादी के लिए उसे अपनी सारी ख्वाहिशें छोड़नी पड़ें? ये कोई काल्पनिक सवाल नहीं हैं; ये अनगिनत महिलाओं के लिए एक कठोर सच्चाई है। ज़ी5 की नवीनतम फि़ल्म मिसेज, जिसमें सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं, इसी कहानी को आगे बढ़ाती है। बहुप्रशंसित द ग्रेट इंडियन किचन का हिंदी रूपांतरण, मिसेज भले ही मूल फि़ल्म की कच्ची तीव्रता को न पकड़ पाए, लेकिन यह आपको गहराई से बेचैन कर देती है। ज़ी5 की मिसेज को सिर्फ दो वाक्यों में समेटा जा सकता है। एक नवविवाहित महिला, ऋचा (सान्या मल्होत्रा), अपने पति दिवाकर (निशांत दहिया) के घर में समायोजित होने की कोशिश करते-करते थक

जाती है और आखिरकार उसे छोड़ देती है। जहां वह एक स्कूल डांस टीचर बन जाती है और अपने सपने को पूरा करती है, वहीं उसका पति दोबारा शादी कर लेता है। लेकिन मुख्य किरदार को इन दो परिस्थितियों के बीच बस श्रीमती की कहानी ही जीनी है। 1 घंटे 40 मिनट की इस फिल्म की शूटिंग यूपी के एक घर में की गई है। एक-दो शॉट को छोड़कर पूरी फिल्म घर के अंदर ही शूट की गई है और उसमें भी 90इ किचन सीन ही है।

फिल्म के हर शॉट की अहम भूमिका है और एक भी सीन बर्बाद नहीं हुआ है। पहले 15-20 मिनट में ही आप देख सकते हैं कि एक मध्यमवर्गीय पतनी और दुल्हन को शादी के जश्न खत्म होने और रिश्तेदारों के वापस जाने के बाद किचन और पूरे घर को संभालने के लिए कहा जाता है। न केवल सास उसे पढ़ाने के लिए स्वतः जिम्मेदार है, बल्कि इस विषैले घर के अनुचित नियम भी नई दुल्हन पर अपनी गर्भवती बेटी के साथ रहने के लिए सब कुछ छोड़ देते हैं, बल्कि ससुर और पति, बेचारी महिला की मदद करने के बजाय, हर दिन उसका जीवन कठिन बनाते हैं। किसी को कोई गलत विचार नहीं रखना चाहिए, इसमें कोई चिल्लाना, घरेलू हिंसा, विवाहेतर संबंध या दुर्व्यवहार नहीं है, बल्कि केवल मानसिक यातना, सपनों और आकांक्षाओं की हत्या, मानकों का गिरना और यहां तक कि अवांछित प्रेम-संबंध भी है।हमने घर की एक अकेली महिला को धूल झाड़ते, सब्ज़ि़याँ धोते, काटते, छीलते, चक्की पर चटनी बनाते, तड़का लगाते, चपाती बेलते, मांस को मैरीनेट करते, फिर खाना परोसते, मेज़ साफ करते, और अपना खाना परोसते, फिर रसोई को साफ़ करते और व्यवस्थित करते हुए देखा ताकि शाम के नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के दौरान भी यही दोहराया जा सके। ऐसे छोटे-छोटे उदाहरण हैं जिन्हें पारिवारिक परंपराओं के नाम पर बड़ा बनाया गया है, और इनमें से कई शॉट पितृसत्ता की चीखें निकालते हैं जबकि मुख्य पात्र सुन्न और दिल टूटा हुआ रहता है। इसके अलावा, स्त्री रोग विशेषज्ञ की पतनी होने के बाद भी, ऋचा को मासिक धर्म के दौरान न केवल अलग-थलग किया जाता है, बल्कि जब वह इस कथित शिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञ के सामने अपनी शारीरिक इच्छाओं के बारे में बात करती है, तो उसे क्रूरता से आंका जाता है। फिल्म मध्यम वर्ग की महिलाओं की कुंठाओं और पीड़ा के कई महत्वपूर्ण क्षणों को उजागर करती है और साथ ही एक रास्ता दिखाती है। श्रीमती का लेखन फिल्म की खासियत है। इस फिल्म का कुरकुरा, भावनात्मक और साथ ही तार्किक लेखन इसे इतनी अच्छी मूल फिल्म का एक योग्य रीमेक बनाता है। संवाद पृष्ठभूमि संगीत और फिल्म में शानदार अभिनय के साथ अच्छी तरह से मिश्रित हैं, जिससे कोई भी ऋचा की पीड़ा को महसूस कर सकता है। जीवंत से उदास तक, सेट निर्देशन और डिजाइन ने फिल्म की टोन को अच्छी तरह से सेट किया और सबसे जैविक तरीके से बहुप्रतीक्षित चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया।

श्रीमती का निर्देशन शीर्ष पायदान पर है, और अधिकांश भारतीय विवाहित जीवन का यथार्थवादी चित्रण करने के लिए आरती कदव को बधाई। कई दृश्य खूबसूरती से निर्देशित और प्रस्तुत किए गए हैं जो बदलते समय और वैकल्पिक रूप से आधुनिकता की अनदेखी के बावजूद परंपराओं के नाम पर पितृसत्ता को दर्शाते हैं। इसके अलावा, फिल्म निर्माता ने सही ढंग से परिवार की दुस्साहस को प्रदर्शित किया है कि दुल्हन से पूरी रसोई संभालने, बड़ों की बात मानने, अपने पति का बिस्तर गर्म करने, सभी घरेलू कामों में निपुण होने और रीति-रिवाजों के अनुसार मेहमानों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन उसके अपने विचार, राय या यहां तक कि करियर के लिए आकांक्षाएं नहीं होनी चाहिए।

मिसेज एक ऐसी सच्चाई का विचलित करने वाला प्रतिबिंब है जिसे कई महिलाएं चुपचाप सहती हैं, जो इसे देखने लायक बनाता है। हालांकि यह द ग्रेट इंडियन किचन की अनफि़ल्टर्ड कच्चीपन को पूरी तरह से नहीं पकड़ सकता है, फिर भी यह प्रणालीगत पितृसत्ता का एक दिल दहला देने वाला चित्रण प्रस्तुत करता है। अपने शक्तिशाली अभिनय और मार्मिक कहानी कहने के साथ, मिसेज दर्शकों को असहज सच्चाइयों का सामना करने के लिए मजबूर करती है - न केवल सहानुभूति, बल्कि आत्मनिरीक्षण और बदलाव का आग्रह करती है।

हिंदी सिनेमा के 'शो मैन' थे राज कपूर, 11 साल की उम्र से शुरू किया था एक्टिंग कॅरियर

मुम्बई। हिंदी सिनेमा के शो मैन कहे जाने वाले राज कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी थी। उन्होंने अपने अभिनय से कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 2 जून को राज कपूर का निधन हो गया था। राज कपूर का भारतीय सिनेमा में योगदान सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है, उन्होंने इस क्राफ्ट को एक आकार प्रदान करने का काम किया था। अभिनय उन्हें अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से विरासत में मिली थी। लेकिन अभिनय के प्रति राज कपूर के जज्बे ने उन्हें हिंदी सिनेमा का 'राज' बना दिया था और वह लाखों दिलों पर राज करते थे। आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सिरी पर राज कपूर के जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्सों के बारे में... **जन्म और परिवारः** पाकिस्तान के पेशावर में 14 दिसंबर 1924 को राज कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता पृथ्वीराज कपूर हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता थे। इस तरह से राज कपूर को अभिनय अपने पिता से विरासत में मिला था। राज कपूर 6 भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। हालांकि राज कपूर के भाई शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भी अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को दशकों तक प्रभावित किया। लेकिन राज कपूर जैसा मुकाम अन्य भाइयों को नहीं हासिल हो सका। शशि कपूर का योगदान थिएटर में काफी बड़ा माना जाता है।

फिल्मी कॅरियरः महज 11 साल की उम्र में ही राज कपूर ने इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। पहली बार वह सला 1935 में आई फिल्म 'इंकलाब' में नजर आए थे। हालांकि उनको पहला ब्रेक साल 1947 में आई फिल्म 'नील कमल' से मिला। इस फिल्म में राज कपूर ने बतौर लीड एक्टर काम किया था। इस फिल्म में राज कपूर ने उस दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस रहीं मधुबाला के साथ स्क्रीन शेयर किया था। राज कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में आने के एक साल बाद यानी की 1948 में महज 24 साल की उम्र में अपना एक

स्टूडियो खोल दिया था। इस स्टूडियो का नाम आर के फिल्म्स है।

हिंदी सिनेमा को सौगातः राज कपूर की तरफ से खोला गया आर के स्टूडियो हिंदी सिनेमा को सौगात था। जिसने हिंदी सिनेमा को एक के बाद एक कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। आपको बता दें कि राज कपूर की फिल्म 'बरसात' में एक्ट्रेस नरगिस के साथ एक सीन दर्शाया गया था। जिसमें राज कपूर एक्ट्रेस नरगिस कपूर को अपनी बाहों में लिए पोज दे रहे थे। इसी को राज कपूर ने बाद में आरके स्टूडियो का लोगो बना दिया था। हालांकि आर के स्टूडियो में आग लगने के कारण साल 2019 में इसे गोदरेज प्रॉपर्टीज को बेच दिया गया था।

डायरेक्शन में भी आजमाया हाथः राज कपूर अपने समय के सबसे यंग डायरेक्टर थे। राज कपूर के डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म 'आग' में अभिनेता ते लीड रोल किया था। वहीं उनकी को-स्टार नरगिस रही थीं। कम उम्र में हिंदी सिनेमा में तहलका मचाने वाले राज कपूर की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म अंदाज थी। जिसमें उन्होंने अभिनेता दिलीप कुमार के साथ स्क्रीन शेयर की थी। राज कपूर ने कई फिल्मों को प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था। कपूर साहब के निर्देशन में बनी फिल्म 'बरसात' हिट थी। इसके बाद उन्होंने बैक-टू-बैक कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। जिसमें 'आवार', 'श्री 420', 'चोरी चोरी', 'छलिया', 'अनाड़ी', 'तीसरी कसम', 'मेरा नाम जोकर' और फिल्म बॉबी आदि शामिल थीं। **अवॉर्डः** राज कपूर ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स को अपने नाम किया था। साल 1951 में आई फिल्म आवारा और साल 1954 में आई फिल्म बूट पॉलिश जैसी फिल्में 'कांस फिल्म फेस्टिवल' में पाल्मे डी'ओर के लिए नॉमिनेटेड भी हो चुकी हैं। वहीं फिल्म आवारा में राज कपूर की एक्टिंग को इतना ज्यादा पसंद किया गया था कि अभिनेता को 'द टॉप टेन परफॉर्मेंसेज ऑफ़ ऑल टाइम्स' में नंबर वन की पोजिशन दी गई थी। साल 1971 में अभिनेता को पद्म भूषण और साल 1988 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से नवाजा गया था। **मौतः** अस्थमा के बिगड़ने से राज कपूर का 2 जून 1988 को 63 साल की उम्र में निधन हो गया था। जिसके बाद उनकी विरासत को उनके बेटों ऋषि कपूर, रणधीर कपूर और राजीव कपूर ने संभाला था। ऋषि कपूर, रणधीर कपूर के बाद राज कपूर के पोते-पोतियों रणबीर कपूर, करीना कपूर और करिश्मा कपूर ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया।

48 की उम्र में भी फिट और ग्लैमरस हैं शिल्पा शेट्टी फिल्म 'बाजीगर' से जीती अभिनय की बाजी

मुम्बई। शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेस मानी जाती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने फिल्म बाजीगर करने से पहले 1991 में 16 साल की उम्र में 'लिम्का' के एड के लिए मॉडलिंग कर चुकी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस ने सफलता के झंडे गाड़े हैं। न सिर्फ प्रोफेशनल लाइफ बल्कि वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चाओं में रहती हैं। आइए जानते हैं एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर शिल्पा शेट्टी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** कर्नाटक के मैंगलोर में 8 जून 1975 को शिल्पा शेट्टी का जन्म हुआ था। एक्ट्रेस के माता-पिता दवाई का व्यापार करते थे। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा मुंबई के सेंट एंथोनी गर्ल्स हाई स्कूल से पूरी की। इसके बाद आगे की पढ़ाई एक्ट्रेस ने मुंबई के पोदार कॉलेज से पूरी की थी। शिल्पा शेट्टी ने भरतनाट्यम की पूरी शिक्षा भी ली हैं। इसके अलावा वह वॉलीबॉल टीम की कप्तान भी रही। 10वीं के बाद एक्ट्रेस ने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया था। महज 16 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने लिम्का प्रोडक्ट के लिए शूट किया था। बाद में धीरे-धीरे एक्ट्रेस के पास कई विज्ञापनों के ऑफर आने लगे थे। महज 18 साल की उम्र में उन्होंने पढ़ाई को छोड़ दिया था और पूरी तरह से फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो गईं। **फिल्मी कॅरियरः** शिल्पा शेट्टी ने साल 1992 में 'गाता है मेरा दिल' से अभिनय दुनिया में कदम रखा था। लेकिन यह फिल्म किसी कारण से रिलीज नहीं हो सकी। जिसके बाद एक्ट्रेस को फिल्म 'बाजीगर' ऑफर हुई। साल 1993 में आई इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के अलावा शाहरुख खान और काजोल थी।

एक्ट्रेस ने पति फहद अहमद के साथ अनाउंसमेंट पोस्ट में शेयर किया बेबी बंप

मुम्बई। फरवरी में कोर्ट मैरिज और मार्च में एक सामाजिक समारोह के बाद स्वरा भास्कर और फहद अहमद अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। होने वाली मां ने फहद के साथ पोज़ देते हुए अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए

सबसे प्यारी गर्भावस्था की घोषणा की। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'कभी-कभी आपकी सभी प्रार्थनाओं का एक साथ उत्तर दिया जाता है! धन्य, आभारी, उत्साहित जैसा कि हम अनजान एक पूरी नई दुनिया में कदम रखते हैं!' स्वरा और फहाद की प्रेम कहानी सबसे असंभावित जगहों पर शुरू हुई - एक रैली में.. बाद में स्वरा ने एक शख्स के साथ एक पोस्ट ड्रॉप की थी और कहा था, 'यह प्यार हो सकता है!' लेकिन अभिनेत्री ने ज्यादा खुलासा नहीं किया और सभी को उत्सुक कर दिया। जल्द ही, उन्होंने फहद के साथ अपनी शादी की घोषणा करते हुए सभी को चौंका दिया। स्वरा और फहाद ने विशेष विवाह अधिनियम के तहत 6 जनवरी, 2023 को कोर्ट मैरिज की और जल्द ही एक पारंपरिक शादी की, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति-रिवाजों को शामिल किया गया।

अर्जुन कपूर ने मां की मौत के 6 साल बाद तक नहीं खोला था कमरा,कहा-हिम्मत नहीं है मेरे पास!

नई दिल्ली। अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा थी। दोनों की फिल्म में शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी। भले ही पहले फिल्म ने अर्जुन कपूर को स्टार बना दिया हो लेकिन फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले ही अर्जुन के साथ एक ऐसा हादसा हुआ था जिसमें अर्जुन ने अपनी जिंदगी की सबसे कीमती चीज को खो दिया था। कहते हैं कि भगवान सबके पास नहीं रह सकते इस लिए उन्होंने मां को बनाया हैं। मां भगवान होती हैं जो आपने बच्चे का ध्यान रखती हैं। कई लोगों कि किस्मस में लेकिन मां नहीं होती हैं या मां का साथ समय से पहले ही छूट जाता हैं। उनमें से ही एक है बॉलीवुड के अभिनेता अर्जुन कपूर। आज से लगभग 8 साल पहले बोनी कपूर के बेटे अर्जुन कपूर ने फिल्म इशकजादे से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म 11 मई 2012 में सिनेमाघर में रिलीज हुई थी। फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा थी। दोनों की फिल्म में शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी। भले ही पहले फिल्म ने अर्जुन कपूर को स्टार बना दिया हो लेकिन फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले ही अर्जुन के साथ एक ऐसा हादसा हुआ था जिसमें अर्जुन ने अपनी जिंदगी की सबसे कीमती चीज को खो दिया था। फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले अर्जुन कपूर की मां मोना कपूर का निधन हो गया था। मोना कपूर बोनी कपूर की पहली पतनी थी। मोना से तलाक लेने के बाद बोनी कपूर ने श्रीदेवी से शादी कर ली थी। मोना और बोनी कपूर के दो बच्चे थे, अंशुला और अर्जुन। तलाक के बार मोना कपूर ने अकेले ही अपने दोनों बच्चों की परवरिश की थी। अर्जुन कपूर

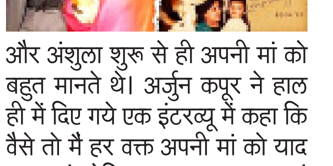

और अंशुला शुरू से ही अपनी मां को बहुत मानते थे। अर्जुन कपूर ने हाल ही में दिए गये एक इंटरव्यू में कहा कि वैसे तो मैं हर वक्त अपनी मां को याद करता हूं लेकिन इस समय घर पर हूं इस लिए मां की बहुत ज्यादा याद आती है। मां के चले जाने के बाद मैंने अपने आप को काम में ही झोंक दिया था। मेरी मां मेरे डेब्यू से बहुत ज्यादा खुश थी। वह मेरी फिल्म देखना चाहती थी लेकिन ये ख्वाहिश उनकी अधूरी रह गयी। फिल्म की रिलीज से पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया। इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने अपनी मां से जुड़ी एक बड़ी बात का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा कि मां की मौत के बाद 6 साल तक मैंने और बहन ने मां के कमरा नहीं खोला। हमारी हिम्मत ही नहीं होती थी दरवाजा खोलने की। अपने घर का एक हिस्से को बिना देखे कैसे रहा जा सकता है लेकिन अंशुला और मैं बहुत डरते थे मां का कमरा खोलने से, मां का समान देखकर बहुत तकलीफ होती, इस वजह से हमने दरवाजा नहीं खोला। अर्जुन ने कहा कि मां के बाद मेरी सहारा बहन अंशुला ही थी। वह पहले दिल्ली में काम करती थी तब मै अकेला हो गया था। पूरा दिन काम करने के बाद मेरा बहुत मन करता था कि मै घर जाकर अपनी मां से पूरे दिन का हाल बताऊं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।